दैनिक
उजाला संदेश
RNI No. MPHIN/2022/83759
राष्ट्रधर्म सर्वोपरि
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
भोपाल, शुक्रवार 20 फरवरी, 2026
वर्ष-04 अंक-81 पेज-08 मूल्य-1.00/-

सुविचार

आपकी असली ताकत आपके अंदर है, बस उसे पहचानने की देर है।

सोम कंपनी की डिस्टिलरी और बीयर फैक्ट्री का लाइसेंस सस्पेंड, 18 दिन से उत्पादन बंद

पंकज सिंह भदौरिया

वेयरहाउस में रखा माल निकालने की तैयारी , कुछ अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

भोपाल। 4 फरवरी को आबकारी विभाग के कमिश्नर अभिजीत अग्रवाल द्वारा सोम कंपनी की डिस्टिलरी और बीयर फैक्ट्री का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। लाइसेंस सस्पेंड होने के बाद से दोनों इकाइयाँ पिछले 18 दिनों से बंद पड़ी हैं। बताया जाता है कि कंपनी लगभग सात जिलों में शराब की आपूर्ति करती रही है और उसके कई ब्रांड कथित रूप से मोनोपली के तहत दुकानों पर बिकते रहे है।

सूत्रों के अनुसार 2 फरवरी तक सोम कंपनी का माल बाजार में भरपूर मात्रा में बिक रहा था। संबंधित वेयरहाउस में भी कंपनी का पर्याप्त स्टॉक जमा है। नियमों के अनुसार वेयरहाउस में रखे माल को बिना विधिवत

सरकारी प्रक्रिया के बाहर नहीं निकाला जा सकता, लेकिन आबकारी क्षेत्र से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि उक्त स्टॉक को कुछ अधिकारियों की मदद से निकालने की तैयारियाँ चल रही हैं।

पूर्व में एक्सपायरी बीयर बेचने के आरोप

पूर्व में छत्तीसगढ़ से सोमकंपनी द्वारा एक्सपायरी बीयर को लाकर मध्यप्रदेश में बेचे जाने का मामला भी सामने आया था। उस समय शासन-प्रशासन को गुमराह करने के लिए कुछ मात्रा में शराब का नष्टीकरण दिखाया गया

कैंप ऑफिस के अधिकारी की भूमिका संदिग्ध

वर्तमान मामले में भी कैंप ऑफिस में पदस्थ कुछ अधिकारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठ सकते है। सूत्रों के अनुसार कंपनी के प्रति 'भावनात्मक नरमी' बरते जाने की चर्चाएँ हैं। स्टेट फ्लाइंग एस्कॉर्ट द्वारा मध्य प्रदेश में खास तौर पर सागर और मुरैना जिले सहित कई जिलों में एमआरपी और अवैध आहाते संचालित करने पर किसी प्रकार का कोई केस नहीं बनाया गया अन्य जिलों में भी सोम के साथ इतनी ही नरमी बरती गई।

पूर्व विवाद और जांच एजेंसियों की कार्रवाई

सोम कंपनी पर पूर्व में मप्र और देश अधिकतर जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है। लेकिन हर वार कंपनी प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते राहत पा जाती है, जिससे अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगते हैं। अब देखना यह होगा कि विभाग लाइसेंस निलंबन के बाद आगे क्या कदम उठाता है और वेयरहाउस में रखे स्टॉक को लेकर स्थिति क्या स्पष्ट होती है।

मुख्यमंत्री निवास पर भाजपा विधायक दल की बैठक, विकास कार्यों की गति और जनसंवाद पर जोर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं श्री राजेन्द्र शुक्ल मंचासीन रहे। संचालन संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया तथा आभार विधायक दल के महामंत्री श्री शैलेन्द्र जैन ने व्यक्त किया।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनप्रतिनिधियों से संगठन और सरकार के समन्वय को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और जनता से नियमित संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और रोजगार जैसे क्षेत्रों में विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की नियमित समीक्षा कर आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय लेकर कार्यों को गति दी जाए। उन्होंने जनहितैषी योजनाओं को सरकार की पहचान बताते हुए कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान और सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार जनप्रतिनिधियों की दोहरी जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशिक्षण को संगठन की सतत प्रक्रिया बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यशालाएं कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने आगामी पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 24 फरवरी को मुंबई में तथा मंडल व जिला स्तर पर क्रमशः अप्रैल और मई में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने आचरण और व्यवहार से जनता का विश्वास जीतना होगा। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष के भ्रामक प्रचार का तथ्यात्मक और तार्किक जवाब देकर सही जानकारी जनता तक पहुंचाना आवश्यक है।प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश के बजट विकास, निवेश और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने विधायकगणों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्रों में जनसंवाद स्थापित कर बजट प्रावधानों की जानकारी दें तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार के समन्वय से ही योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है और निरंतर जनसेवा के माध्यम से देश और प्रदेश को विकास के शिखर पर ले जाना हम सबका दायित्व है।

विद्युत वितरण कंपनियों में 55 हजार कर्मचारी आउटसोर्स

- 12150 से 16494 रुपए महीने वेतन देने का दावा, विधानसभा में मंत्री ने दी जानकारी

भोपाल। प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में 55 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों से सेवाएं ली जा रही हैं और इन्हें नियमित करने की कोई योजना नहीं है। यह जानकारी ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी के सवाल के लिखित जवाब में दी। मंत्री ने बताया कि ये कर्मचारी आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से नियुक्त हैं और इन्हें श्रम आयुक्त द्वारा तय न्यूनतम मासिक वेतन दिया जा रहा है। ये कर्मचारी उच्च कुशल, कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रेणियों में काम कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि उच्च कुशल कर्मचारियों को 16,494 रुपए, कुशल कर्मचारियों को 14,869 रुपए, अर्धकुशल कर्मचारियों को 13,146 रुपए और अकुशल कर्मचारियों को 12,150 रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है। यह भुगतान श्रम आयुक्त द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन के अनुसार किया जाता है।

उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे का इस्तीफा! कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को लिखा पत्र

भोपाल। अटेर से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने परिवार और क्षेत्र को समय न दे पाने को वजह बताया। कटारे ने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र भेजकर संगठन को पूरा सहयोग देने की बात कही है।

कटारे ने पार्टी को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया, संगठन का आभार व्यक्त किया। वैवाहिक वर्षगांठ के दिन लिया इस्तीफा, विधानसभा कार्यवाही में शामिल होने के बाद रवाना।

अटेर से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा देने की खबर सामने आई है। अपने इस्तीफा पत्र में हेमंत कटारे ने लिखा कि वे परिवार और अपने क्षेत्र की जनता को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे थे। इसी कारण उन्होंने यह जिम्मेदारी छोड़ने का फैसला किया।

खड़गे को भेजा इस्तीफा पत्र

कटारे ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेजकर कहा कि पार्टी जिसे चाहे इस पद की जिम्मेदारी दे सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे संगठन को पूरा सहयोग देंगे।साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि पार्टी ने उन्हें इस पद के योग्य समझा, इसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे।

वैवाहिक वर्षगांठ के दिन लिया फैसला

आज हेमंत कटारे की मैरिज एनिवर्सरी है और इसी दिन उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला लिया है। इस्तीफा देने से पहले वे शाम करीब 4 बजे तक विधानसभा की कार्यवाही में शामिल रहे। इसके बाद वे अपने क्षेत्र अटेर के लिए रवाना हो गए।

शाह मानहानि केस में राहुल गांधी का आरोपों से इनकार

कहा-राजनीतिक साजिश में फंसाया,सुल्तानपुर में मोची के परिवार से मिले

सुलतानपुर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है। पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है। इस पर राहुल ने कहा हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे।

ग्वालियर के घाटीगांव में 22,850 लीटर जप्त स्पिरिट जहरीली पाई गई

- फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि; बड़ी जनहानि टली, आरोपी अब भी फरार

ग्वालियर। ग्वालियर के घाटीगांव क्षेत्र स्थित एक निजी फार्महाउस से जब्त की गई 22 हजार 850 लीटर स्पिरिट को फॉरेंसिक जांच में जहरीला पाया गया है। यदि इस स्पिरिट से बनी शराब बाजार में पहुंच जाती, तो बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था। आबकारी विभाग की कार्रवाई को लेकर जहां टीम की सराहना हो रही है, वहीं कई गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं।

बड़ी कार्रवाई, लेकिन आरोपी अब भी पकड़ से दूर

आबकारी विभाग ने हाल ही में घाटीगांव के एक फार्महाउस पर छापा मारकर भारी मात्रा में स्पिरिट जब्त की थी। जांच के बाद फॉरेंसिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई कि उक्त स्पिरिट का उपयोग जहरीली शराब बनाने में किया जा सकता था। हालांकि इस मामले के मुख्य आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास जारी हैं और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

बिना लाइसेंस भंडारण पर सवाल

नियमों के अनुसार बिना लाइसेंस 165 लीटर से अधिक क्षमता की ओपी (ऑपरेशन/भंडारण क्षमता) रखना अवैध है। ऐसे में 22,850 लीटर स्पिरिट का भंडारण कई स्तरों पर प्रशासनिक निगरानी पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

सम्मानित हुई टीम, पर लैब सुविधा का अभाव

कार्रवाई करने वाली आबकारी टीम को सम्मानित भी किया गया, लेकिन विभाग के पास स्वयं की अत्याधुनिक लैब सुविधा नहीं होने का मुद्दा फिर चर्चा में है। सवाल यह उठ रहा है इतने बड़े और संवेदनशील विभाग को बिना स्वतंत्र प्रयोगशाला के अपराध की गुणवत्ता और गंभीरता का समय पर आकलन करने में कितनी कठिनाई आती होगी।

फार्महाउस मालिक के राजनीतिक संबंधों पर चर्चा

सूत्रों के अनुसार जिस फार्महाउस से स्पिरिट जब्त की गई, वह सुरेंद्र सिंह तोमर का बताया जा रहा है। तोमर के कथित राजनीतिक संबंधों को लेकर भी क्षेत्र में चर्चा है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच को लेकर भी लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं।

क्या जानबूझकर रची जा रही थी साजिश?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि आरोपियों को स्पिरिट की गुणवत्ता और उसके संभावित दुष्प्रभाव की जानकारी थी, तो क्या वे जानबूझकर लोगों की जान जोखिम में डालने की तैयारी कर रहे थे? फॉरेंसिक रिपोर्ट में जहरीली शराब निर्माण की पुष्टि ने मामले को और गंभीर बढ़ा दिया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

- अप्रैल से प्रक्रिया शुरू होगी, अभी 12 राज्यों में वोटर्स वेरिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में एसआईआर किया जाएगा।

हम एआई को सुशासन और सबके विकास के लिए अपनाएंगे

- सीएम डॉ. यादव बोले-तकनीक तभी सार्थक जब वह मानव हित में हो
- कहा-निर्भय होकर एआई से विकास की सभी संभावनाओं पर करेंगे काम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोई भी नई तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानवता के हित में अवसरों से भरपूर और कारगर हो। हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को नवाचार के साथ सबके विकास, सामाजिक समरसता, सुशासन और देश-प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साधन के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत आज डिजिटल परिवर्तनों को अपनाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में एआई कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन उद्योग और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय

प्रक्रिया तेज होगी और आम नागरिक तक योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय एकता और सामूहिक संकल्प का आह्वान करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा। हम सब एकजुट होकर एआई के माध्यम से भारत को समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एआई तकनीक हमारे लिए अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन लांच करेगा, जो शासन प्रणाली, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों को तकनीक आधारित रूप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

एआई से निर्भय होकर देश के हित में काम करने पर दिया जोर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के समापन सत्र में सहभागिता की। उन्होंने भारत मंडपम् स्थित भोपाल मीडिया सेंटर में नेशनल मीडिया करेस्पांडेंट्स से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य और इसके इस्तेमाल पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई से निर्भय होकर देश के हित में काम करने पर जोर दिया है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्धि के लिए सभी चुनौतियों से उबरकर तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एआई को नए जमाने की नई वैज्ञानिक विधा बताया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई को नये जमाने की नई वैज्ञानिक विधा बताते हुए इसके जिम्मेदारीपूर्ण और मानवीय उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई तकनीकी प्रगति के माध्यम के साथ मानव जीवन की गुणवत्ता सुधारने का सशक्त साधन भी है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि एआई का विकास और उपयोग भारतीय मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में प्रतिभा, संसाधन और दृष्टि, तीनों का अद्वितीय संगम मौजूद है। सही दिशा में एआई का उपयोग कर हम अपने देश को वैश्विक एआई परिदृश्य में अग्रणी भूमिका में ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई का भविष्य इसकी तकनीकी श्रेष्ठता, नैतिकता, पारदर्शिता और समावेशिता में निहित है। यह हम पर है कि हम इसका उपयोग किस तरह, किस दिशा में और किस लक्ष्य के लिए कर रहे हैं।

प्रदेश में स्थापित होगा एआई आधारित एक बड़ा डेटा सेंटर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रदेश देश के मध्य में स्थित है। हमारे पास पर्याप्त लैंड बैंक है। प्रदेश में एआई आधारित एक बड़ा डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस डेटा सेंटर की स्थापना के लिए हमने बड़े निवेशकों और कम्पनियों को भी आमंत्रित किया है। एआई के जरिए प्रदेश के तकनीकी विकास और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण को गति मिलेगी।

गीदगढ़ गुफा में चल रहा अश्वमेघ यज्ञ, राम कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

दीवानगंज। सांची ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले दीवानगंज क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गीदगढ़ गुफा मंदिर परिसर में इन दिनों भव्य अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ अनुष्ठान के तहत प्रतिदिन सुबह और शाम विधि-विधान से आहुति दी जा रही है, जिसमें दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालु बड़ी संख्या में सहभागी बन रहे हैं। दोपहर बाद यज्ञ स्थल पर राम कथा का भी आयोजन हो रहा है। कथावाचक द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है, जिसे सुनने के लिए आसपास के गांवों सहित क्षेत्र भर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा स्थल पर भक्ति-मय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु भजन-कीर्तन के साथ धर्मलाभ ले रहे हैं। कथा के पांचवें दिन कथा वाचक चंद्र मोहन तिवारी ने श्रीराम के गुरुकुल गमन, शिक्षा प्राप्ति, ऋषि-मुनियों की सेवा तथा विश्वामित्र जी के साथ वन गमन के प्रसंग सुनाए गए। कथावाचक ने बताया कि बाल्यकाल से ही श्रीराम में मर्यादा, शौर्य और करुणा के अद्भुत गुण दिखाई देते हैं। विश्वामित्र जी द्वारा राम-लक्ष्मण को साथ ले जाकर राक्षसों से यज्ञ की रक्षा कराने तथा ताड़का वध जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन सुन श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ धर्मलाभ लिया। प्रतिदिन की तरह सुबह-शाम यज्ञ में आहुति दी गई और दोपहर बाद राम कथा का आयोजन जारी रहा। आयोजन स्थल पर क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी हुई है। आयोजन समिति के अनुसार यज्ञ और कथा का क्रम कई दिनों तक जारी रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

ओलावृष्टि और तेज बारिश से फसलों को भारी नुकसान, किसानों की बढ़ी चिंता

नजीराबाद, उज्ज्वल संदेश। नजीराबाद क्षेत्र में मौसम ने एक बार फिर करवट लेते हुए गुरुवार की रात तेज बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। अचानक बदले मौसम के कारण चना, गेहूं और सरसों सहित कई प्रमुख फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम खेरखेड़ी, खेजड़ा घाट, सूरजपुर सहित नजीराबाद क्षेत्र के अनेक गांवों में देर रात हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं। कई स्थानों पर फसलें जमीन पर गिर गईं और दानों की गुणवत्ता भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

किसानों का कहना है कि पहले से ही मौसम की अनिश्चितता और लागत बढ़ने के कारण वे आर्थिक दबाव में थे, ऐसे में इस बारिश ने उन्हें बड़ा झटका दिया है। किसानों के अनुसार एक महीने पहले भी उन्होंने अपनी समस्याओं को समाचार पत्रों के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

किसानों की मांग है कि शासन-प्रशासन तत्काल क्षेत्र का सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन कराए और प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए। उनका आरोप है कि अब तक संबंधित विभाग, विशेषकर खाद विभाग, द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे किसानों में आक्रोश और निराशा बढ़ रही है।

स्थानीय किसानों ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को गंभीरता से लेते हुए त्वरित राहत और मुआवजा दिया जाए, ताकि किसानों को आर्थिक संबल मिल सके और उनके चेहरों पर फिर से मुस्कान लौट सके।

अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

रायसर। थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए थली मोड़ से एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी आईपीएस के निर्देशन पर जिले में अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए थानाधिकारी आंधी नीरज गुप्ता आरपीएस प्रशिक्षु के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रेक्टर मय ट्रॉली को जब्त करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार थली पुलिया एनएच 148 एक ट्रैक्टर को रुकवा कर जांच की गई तो ट्रैक्टर आंधी। थाने में जब्त अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली। ट्रॉली में करीब 04 टन अवैध बजरी भरी हुई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर ट्रैक्टर चालक आरोपी रामदयाल (47) पुत्र भैरु मीणा निवासी देवाना की ढाणी तन नांगल तेजसिंह थाना रायसर जिला को गिरफ्तार किया है, जिसे गुरुवार को में पेश किया गया है।

मौत के मुहाने पर अस्पताल

गैस प्लांट की दीवार से सटा है सरकारी अस्पताल हादसा हुआ तो इलाज के लिए कहां भागेंगे पीड़ित

मंडीदीप। औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में पिछले दिनों गेल गैस प्लांट में हुए गैस रिसाव ने प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिए थे। गनीमत रही कि समय रहते रिसाव पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। लेकिन इस घटना ने एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है, जो यहाँ के नागरिकों और मरीजों की जान से जुड़ा है। सवाल ये है कि अगर हादसा बड़ा होता, तो इलाज के लिए कहाँ भागते। क्यों की हॉस्पिटल और गैस प्लांट की दीवार से दीवार मिली है। हैरानी की बात यह है कि जिस गेल गैस प्लांट में ज्वलनशील और खतरनाक गैसों का भंडारण और वितरण होता है, उसकी दीवार से बिल्कुल सटा हुआ शहर का सरकारी अस्पताल स्थित है। सुरक्षा नियमों की मानें तो ऐसे संवेदनशील प्लांट और सार्वजनिक सुविधाओं के बीच एक निश्चित 'बफर जोन' होना अनिवार्य है, लेकिन यहाँ अस्पताल और मौत का खतरा एक ही दीवार साझा कर रहे हैं।

हादसे की स्थिति में क्या होगा

पिछले दिनों हुए रिसाव के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश और डर है। नागरिकों का कहना है जिस अस्पताल में लोग जीवन बचाने जाते हैं, वही गैस प्लांट के सबसे ज्यादा 'डेंजर ज़ोन' में है। यदि कोई बड़ी अग्नि दुर्घटना या गैस रिसाव होता है, तो सबसे पहले अस्पताल को खाली कराना पड़ेगा। ऐसे में पहले से भर्ती मरीजों और नवजातों को बचाना लगभग असंभव हो जाएगा।

प्रशासन की 'सूझबूझ' या लापरवाही

हालिया घटना को प्रशासन ने 'सूझबूझ' बताकर टाल दिया, लेकिन सवाल यह है कि इस रिहायशी और संवेदनशील इलाके में अस्पताल को इतनी करीब अनुमति कैसे मिली। या प्लांट के विस्तार के समय सुरक्षा ऑडिट में इस पहलू को क्यों नजर अंदाज किया गया?

इनका कहना है

पूर्व में भी घटना हुई थी जिसको लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को बताया गया जो भी अधिकारी निर्णय लेंगे वह मान्य होगा

सुलभ तिवारी शासकीय अस्पताल प्रबंधक,

गैस प्लांट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं पहले भी जो घटना हुई थी उसके बाद सुधार करवा दिया गया है और वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है

चंद्रशेखर श्रीवास्तव एसडीएम गौहरगंज

103 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, स्कूल में रही सख्त चेकिंग व पुलिस तैनाती

दीवानगंज। सांची ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दीवानगंज में गुरुवार को आयोजित कक्षा 10वीं संस्कृत विषय की बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। परीक्षा में पंजीकृत 105 विद्यार्थियों में से 103 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 2 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

इससे एक दिन पहले बुधवार को कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें हिस्ट्री विषय में 54 तथा केमिस्ट्री विषय में 49 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। दोनों विषयों में कुल 103 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

परीक्षा केंद्र पर नकल रोकने व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए विद्यालय परिसर में प्रवेश से पहले विद्यार्थियों की सघन चेकिंग की गई। केंद्र पर पुलिस बल भी तैनात रहा, जिससे परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुई।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर शुरू होकर सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराई जा रही है। कक्षा दसवीं में हाई स्कूल सेमरा और भारतीपुर के बच्चे भी सम्मिलित हो रहे हैं।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, बैठने की योजना, पेयजल, सुरक्षा एवं निगरानी के विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं नकल-मुक्त वातावरण में संपन्न हो सकें।

परीक्षा को नकलमुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मंडल ने इस बार कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल या किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री मिलने पर न सिर्फ परीक्षा निरस्त की जाएगी, बल्कि नकल प्रकरण दर्ज कर एफआईआर तक की कार्रवाई होगी।

परीक्षा शुरू होने के 5 मिनट पहले मिले प्रश्नपत्र

परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र पहुंचने के बाद केंद्राध्यक्ष सुबह 8.45 बजे तक पर्यवेक्षकों को प्रश्नपत्रों के सील्ड पैकेट वितरित किए। इसके बाद परीक्षा कक्ष में सुबह 8.50 बजे उत्तर पुस्तिकाएं (आंसर शीट) दी गई। परीक्षा शुरू होने से 5 मिनट पहले यानी 8.55 बजे प्रश्नपत्र खोलकर परीक्षार्थियों को वितरित किए गए। किसी भी स्तर पर समय में लापरवाही या नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जा रहा है।

बटवाड़ी ढाणी में बघेरे का मूवमेंट, पालतू श्वान का शिकार

- पेड़ पर 20 फीट ऊंचाई पर टांगने से ग्रामीणों में दहशत
- आबादी क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही पर चिंता
- दूसरे दिन भी जंगली जीव की हलचल, ग्रामीण भयभीत

राहौरी। लांगड़ियावास ग्राम पंचायत के डांगरवाड़ा खुर्द स्थित बटवाड़ी ढाणी में जंगली जीवों का मूवमेंट होने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बुधवार रात वन्य जीव ने ढाणी निवासी गिर्राज मीना के पालतू श्वान का शिकार कर लिया। गुरुवार सुबह घटना का पता तब चला जब ग्रामीणों ने श्वान के अवशेष को घर के समीप एक पेड़ पर करीब 20 फीट ऊंचाई पर टहनियों में टंगा हुआ देखा। घटना के दूसरे दिन गुरुवार रात को भी जंगली जीव की ढाणी में सक्रियता देखी गई। पेड़ में लटके हुए मृत श्वान को जंगली जीव उतार ले गए।

ग्रामीण गिर्राज मीना व मुकेश मीना ने बताया कि पिछले कुछ समय से जंगली जानवरों का मूवमेंट आबादी क्षेत्र के आसपास बना हुआ है। भोजन की तलाश में वन्य जीव रात के समय ढाणी की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे लोगों में भय का वातावरण है। ग्रामीणों का कहना है कि वन्य जीवों की सक्रियता के कारण रात में घरों से बाहर निकलना भी जोखिम भरा हो गया है और पालतू पशुओं पर हमले की आशंका बनी हुई है। गिर्राज मीना ने बताया कि उनके घर में जर्मन नस्ल का महंगा डॉग था। जिसे रात के समय जंगली जीव उठा ले गया। सुबह देखा तो उसे पेड़ में ऊंचाई पर टहनियों के बीच लटका हुआ पाया। ग्रामीणों के अनुसार शिकार को पेड़ पर ले जाकर टांगने की प्रवृत्ति बघेरे की होती है, जिससे क्षेत्र में उसके होने की आशंका प्रबल हो गई है। घटना के बाद ढाणी में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा वन्य जीव की निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना हैं कि जंगली जीव भोजन पानी की तलाश में भटकते रहते हैं।

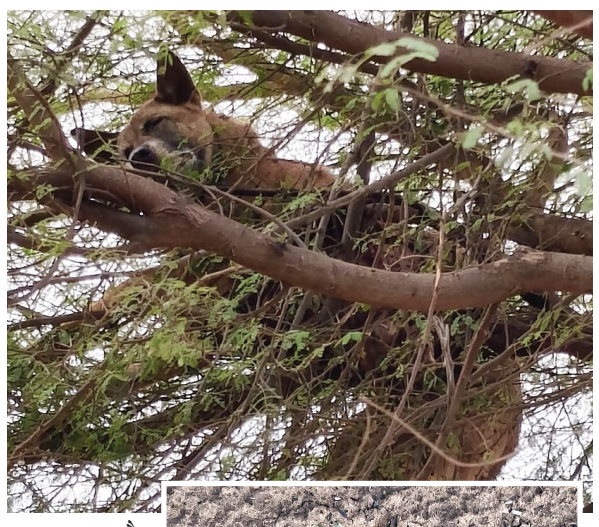

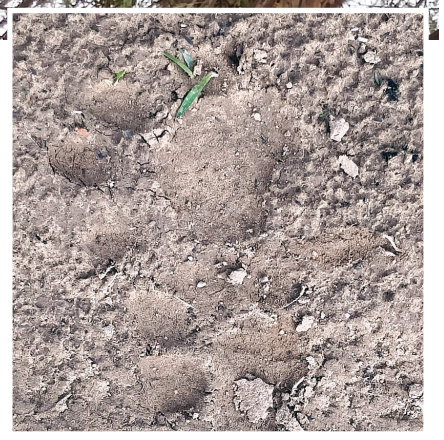

चित्रकला/निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न

रतलाम (निप्र)। मेरा युवा भारत जिला रतलाम, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान मे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सैलाना में किया गया। युवा अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि युवाओं को विकसित भारत बजट पर बात पीएम मोदी के साथ करने एवं बजट 2026 क्विज में भाग लेने वाले खिलाड़ी व छात्र-छात्राओं से रजिस्ट्रेशन कराएंगे। प्रतियोगिता का शुभारम्भ श्रीमती शहला खान, श्रीमति विद्या जोशी, सुश्री मालती शर्मा, श्री राम सिंह भाटी, श्री संदीप कुंडू, श्री भगत सिंह, श्री अंकुर राणा द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

22 फरवरी को महू आएंगे मुख्यमंत्री मोहन यादव, 85 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमि पूजन

महू। कई महीनों से प्रस्तावित प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महू दौरा अब अंतिम रूप से तय हो गया है। मुख्यमंत्री 22 फरवरी (रविवार) को महू पहुंचकर करीब 85 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सीएम राइस स्कूल का भूमिपूजन, चंद्रशेखर आजाद सरोवर पर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का लोकार्पण करेंगे तथा शांति नगर के पास सुपर सिटी क्षेत्र में आयोजित विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इंदौर कलेक्टर सहित पुलिस विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभा स्थल एवं सरोवर क्षेत्र का निरीक्षण कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया गया।

महू नगर परिषद अध्यक्ष नवीन तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम पहले प्रस्तावित था, लेकिन अत्यधिक व्यस्तता के कारण तिथि तय नहीं हो पा रही थी। अब 22 फरवरी को कार्यक्रम सुनिश्चित कर दिया गया है, जिसमें करोड़ों की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन और प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और प्रशासन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियों में जुटा हुआ है।

5 साल से निर्माणाधीन सेमरा-बनखेड़ी सड़क में 3 दिन में दरारें, ग्रामीणों ने जांच की मांग की

दीवानगंज। भोपाल-विदिशा हाईवे-18 से ग्राम सेमरा होते हुए बनखेड़ी तक लगभग 4.50 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य पिछले 5 वर्षों से हो रहा है ठेकेदार कभी रोड पर काम चालू कर देता तो कभी बंद कर देता है।

करीब 475.86 लाख रुपए की लागत से बन रही इस सड़क को लेकर अब ग्रामीणों में भारी नाराज़गी है।

तीन दिन पहले ठेकेदार द्वारा गायत्री मंदिर सेमरा के सामने आरसीसी सड़क डाली गई, लेकिन उसमें शुरुआती दिनों में ही कई जगह दरारें दिखाई देने लगीं। इसे लेकर ग्रामीणों ने निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीण विनोद लोधी, जितेंद्र लोधी, राहुल लोधी, विष्णु लोधी, गोविंद सहित अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि रहवासी क्षेत्र में सड़क का उचित स्लोप नहीं बनाया गया ओर ना हि नाली निर्माण नहीं किया गया है।।

ग्रामीणों का कहना है कि पानी निकासी नहीं होने से सड़क जल्द ही उखड़ जाएगी और लाखों रुपए की लागत बेकार हो जाएगी।ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में देश की आजादी के बाद पहली बार पक्की सड़क बन रही है, लेकिन इतनी जल्दी आरसीसी में दरार पड़ना गंभीर लापरवाही दर्शाता है। उन्होंने सड़क की तकनीकी जांच और ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है।

इंजीनियर बोले - तापमान से हेयर क्रैकिंग

रोड इंजीनियर अंकित लोधी ने बताया कि सड़क में दिख रही दरारें तकनीकी कारणों से आई हेयर-क्रैकिंग हो सकती हैं। तापमान बढ़ने-घटने से आर सी सी रोड में सूक्ष्म दरारें आ जाती हैं, जो सामान्य तकनीकी समस्या है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह सामान्य है तो भी निर्माण के समय उचित जॉइंट, क्योरिंग और जल निकासी व्यवस्था होनी चाहिए थी।

10 गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

यह सड़क बन जाने पर लगभग 10 गांवों के ग्रामीणों को सीधा आवागमन मार्ग मिलेगा। वर्षों से लोग इस मार्ग के निर्माण का इंतजार कर रहे थे, जिससे खेती-किसानी, बाजार और शिक्षा के लिए आवाजाही आसान होगी। फिलहाल ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कर मानक अनुसार कार्य कराया जाए, ताकि वर्षों की प्रतीक्षा का लाभ स्थायी रूप से मिल सके।

भोपाल। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता द्वारा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से सौजन्य भेंट की।

भोपाल। संत हिरदाराम कॉलेज की छात्राओं द्वारा माननीय विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट की।

कोलार में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

भोपाल। शहर के कोलार थाना क्षेत्र स्थित बंजारी में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता पुतला दहन की तैयारी कर रहे थे, तभी सूचना मिलते ही कोलार पुलिस मौके पर पहुंच गई और पुतला जलाने से रोक दिया।पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि स्थिति नियंत्रण से बाहर नहीं हुई और किसी प्रकार के बल प्रयोग की नौबत नहीं आई। पुलिस ने समझाइश देकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और पुतला दहन नहीं होने दिया।

घटना की सूचना मिलते ही एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बनी रही। बताया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यकर्ता मंत्री के एक बयान के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे।प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राजकुमार सिंह, राहुल सिंह राठौर सहित कई स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य है और किसी गिरफ्तारी या गंभीर घटना की सूचना नहीं है।

भगीरथपुरा कांड पर गरमाई सियासतः असंसदीय भाषा पर जयवर्धन सिंह का हमला, मंत्री के इस्तीफे की मांग

भोपाल। विधानसभा में भगीरथपुरा कांड को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। विधायक जयवर्धन सिंह ने सदन के भीतर प्रयुक्त असंसदीय भाषा पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री से इस प्रकार की भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती, विशेषकर तब जब विषय एक गंभीर घटना से जुड़ा हो।

जयवर्धन सिंह ने अपने बयान में कहा कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भगीरथपुरा कांड जैसे संवेदनशील मामले पर सरकार से सीधा और गंभीर प्रश्न पूछा था कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद नगर विकास मंत्री ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया। लेकिन जवाब देने के बजाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया और एक आदिवासी नेता प्रतिपक्ष से उनकी 'औकात' पूछी गई, वह बेहद आपत्तिजनक है।

उन्होंने इसे केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सम्मान पर आघात बताया। जयवर्धन सिंह ने कहा कि ऐसी मानसिकता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती और यह सदन की गरिमा के विपरीत है।

उन्होंने आगे कहा कि इंदौर जैसे प्रमुख शहर का नाम इस कांड के कारण पूरे देश में प्रभावित हुआ है, जिससे प्रदेश की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए महापौर और नगर विकास मंत्री दोनों को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

विधायक जयवर्धन सिंह ने स्पष्ट मांग रखते हुए कहा कि सदन इस गंभीर विषय पर प्रस्ताव स्वीकार करे, विस्तृत चर्चा कराई जाए और सच्चाई प्रदेश की जनता के सामने लाई जाए, ताकि लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

व्यापार और व्यापारियों के हित में सांसद आलोक शर्मा की सार्थक पहल में सभी करें सहयोग: संजीव गर्ग

भोपाल। राजधानी भोपाल के पुराने शहर के व्यापारियों और रहवासियों ने कहाकि जब मौजूदा सांसद आलोक शर्मा भोपाल के महापौर थे, तब उन्होंने सराफा चौक बाजार को धरोहर स्वरूप देने का सराहनीय प्रयास किया, लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ लोगों द्वारा उत्पन्न बाधाओं के कारण वह कार्य अधूरा रह गया। मगर पुराने शहर की वर्तमान हकीकत और समय की पुकार है कि सांसद आलोक शर्मा आज पुन- पुराने भोपाल के गिरते व्यापार और अव्यवस्थित स्थिति को ध्यान में रखते हुए भोपाल कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, यातायात आयुक्त, पुलिस आयुक्त एवं अन्य अधिकारी वर्ग के साथ बैठक कर रहे हैं, जो यहां के व्यापारियों और व्यापार हित में सराहनीय कदम है। भोपाल होलसेल सराफा व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव गर्ग (गांधी) ने कहा कि सांसद आलोक शर्मा का उद्देश्य स्पष्ट है अतिक्रमण मुक्त बाजार, सुव्यवस्थित वाहन पार्किंग व्यवस्था, महिला शौचालय (गुलाबी शौचालय) सुविधा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं, आधुनिक, स्मार्ट एवं डिजिटल सुविधाओं से युक्त बाजार का विकास। उन्होंने कहा कि पुराने शहर के व्यापारियों से अपील की, कि यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी व्यापारी बंधुओं का भी नैतिक दायित्व है। शासन-प्रशासन के इन प्रयासों और उद्देश्यों को पूर्ति के लिए उनके साथ कदमताल मिलाए। उन्होंने कहाकि यदि व्यापारी समाज पूर्ण समर्थन और सहयोग नहीं देगा, तो भविष्य में कोई भी जनप्रतिनिधि पुराने भोपाल के विकास के लिए आगे आने में संकोच करेगा। यह भी सत्य है कि यदि स्थिति ऐसी ही बनी रही, तो आने वाले समय में व्यापार भी प्रभावित होगा और उसका सीधा प्रभाव हमारी आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा। अत- अब विचार व्यापारी बंधुओं को करना है कि अपने तथा अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए क्या उचित है और क्या अनुचित। इसलिए हम सब मिलकर पुराने भोपाल को व्यवस्थित, सुंदर और समृद्ध बनाएं के लिए व्यापार हित में शासन -प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे सख्त कदम के साथ चले और सहयोगात्मक रवैए अपनाएं।

जायका टीम की ट्रांसको अधिकारियों के साथ हुई बैठक

भोपाल। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) द्वारा प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दिये गये जायका-दो लोन से हुये कार्यों की समीक्षा के लिये मुख्यालय शक्तिभवन जबलपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में जायका, जापान की इवैल्यूएटर सुश्री हिसाए ताकाहाशी एवं जायका के भारतीय प्रतिनिधि श्री कुनाल गुप्ता ने जायका वित्त पोषित विभिन्न कार्यों में एमपी ट्रांसको द्वारा अपनायी गई तकनीकी एवं वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त की। जायका टीम ने लोन समझौते की शर्तों में शामिल पारेषण हानि को कम करने के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में 2.82 प्रतिशत रही पारेषण हानि को वर्ष 2024-25 में घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाना एक बड़ी उपलब्धि है। जायका टीम ने राइट आफ वे (आर ओ डब्ल्यू) एवं फारेस्ट अरूवल से जुडी चुनौतियों के बावजूद मध्यप्रदेश में ट्रासमिशन नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिये किये गये प्रयासों की सराहना की। बैठक में जायका के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं का क्रियान्वयन स्वीकृत योजना एवं तय मानकों के अनुसार होना आवश्यक है। बैठक में सहमति बनी कि टीम द्वारा जायका वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में एमपी ट्रांसको द्वारा किये गये विभिन्न कार्यों का निरीक्षण कर विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय समीक्षा की रिपोर्ट निर्धारित प्रश्नावली में प्रस्तुत की जाएगी। एमपी ट्रांसको द्वारा मानीटरिंग एवं प्रोजेक्ट पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद जायका द्वारा रेटिंग दी जायेगी। कार्यपालक निदेशक(योजना और डिजाइन) श्री संदीप गायकवाड़ ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि कई कार्य दक्ष प्रबंधन एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण कम लागत में पूर्ण हुए हैं। साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया कि परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों से कोई समझौता नहीं किया गया है। मध्यप्रदेश में ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दो बार जायका द्वारा लोन दिया गया था। जायका-दो में 434 करोड रुपये का एमपी ट्रांसको द्वारा युटिलाइजेशन किया गया है।

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर में संध्या और शयन आरती की बुकिंग पूरी तरह हुई ऑनलाइन

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में दर्शन व्यवस्था को और अधिक सुगम, पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उज्जैन में डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का विस्तार करते हुए, समिति ने बाबा महाकाल की संध्या आरती और शयन आरती की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। अब देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु घर बैठे ही आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आरती में शामिल होने के लिये अपना स्थान सुनिश्चित कर सकेंगे। श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर मंदिर की अधिकृत वेबसाइट https://www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/ के माध्यम से ही बुकिंग कर सकते हैं। संध्या आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन दोपहर 12ः00 बजे से शुरू होगी और शयन आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन शाम 4ः00 बजे से की जा सकेगी। दोनों ही आरतियों के लिए प्रति श्रद्धालु 250 रूपये का शुल्क (शीघ्र दर्शन के समान) निर्धारित किया गया है। बुकिंग की यह प्रक्रिया पूर्णतः पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर संचालित होगी। बाबा महाकल की आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को प्रवेश द्वार क्रमांक 1 से ही प्रवेश दिया जाएगा।

मेसोनिक विश्वनाथ लॉज नं. 111 द्वारा नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड को आलमारियाँ भेंट

भोपाल। मेसोनिक विश्वनाथ लॉज नं. 111 द्वारा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के उपयोग हेतु नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड को आलमारियाँ भेंट की गई। यह पहल WBRO आर.जे. श्रीवास्तव के नेतृत्व में RWBro गिरीश वाघ, VWBro गंगाराडे, सचिव WBro संदीप श्रीवास्तव एवं WBro बी.एल. सिंह के सहयोग से सम्पन्न हुई। इस सहयोग से 50 से अधिक बच्चों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन WBro संदीप श्रीवास्तव ने किया। संस्था की ओर से श्री मनोज शर्मा ने लॉज के इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। यह पहल लॉज की सामाजिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

हास्यासन से स्वास्थ्य, प्रसन्नता और ऊर्जा का संचार - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। हास्यासन योग की एक अत्यंत सरल, प्रभावी और आनंददायक क्रिया है।यह शरीर, मन और भावनाओं को एक साथ संतुलित करने का सशक्त माध्यम है। जब हम खुलकर हँसते हैं, तो फेफड़ों में अधिक ऑक्सीजन प्रवेश करती है। रक्तसंचार तीव्र होता है और हृदय को नई ऊर्जा मिलती है।हास्यासन तनाव, चिंता और अवसाद को दूर करने में सहायक है। यह मन के बोझ को हल्का कर सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है। हँसी के दौरान शरीर में एंडोर्फिन जैसे हैप्पी हार्मोन स्रावित होते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।नियमित अभ्यास से चेहरे पर प्राकृतिक आभा और मुस्कान बनी रहती है। हास्यासन सामूहिक रूप से करने पर आपसी प्रेम और सौहार्द बढ़ता है। यह बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए लाभकारी है।प्रातःकालीन योग सत्र में 5-10 मिनट का हास्यासन दिनभर को ऊर्जावान बना देता है। यह हमें सिखाता है कि जीवन की कठिनाइयों को भी मुस्कराकर स्वीकार करें। हँसी से अहंकार गलता है और हृदय में सहजता आती है। आध्यात्मिक दृष्टि से भी प्रसन्नता आत्मा की स्वाभाविक अवस्था है। अतः प्रतिदिन हास्यासन का अभ्यास करें और जीवन को उत्सव बनाएं।

एमपी के इस जिले को बड़ी सौगात, 254 नई सड़कों का होगा निर्माण

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश के बजट में विदिशा जिले के मजरा-टोला क्षेत्र के लिए सड़क विकास को लेकर बड़ा प्रावधान किया गया है। बजट स्वीकृति के अनुसार यहां 225 करोड़ रुपये की लागत से 254 सड़क निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं। यह फैसला क्षेत्रीय संपर्क व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

बजट में शामिल इस पैकेज का फोकस उन इलाकों पर है जहां अब तक सड़क सुविधा सीमित रही है या मौजूदा मार्गों को उन्नयन की जरूरत है। स्वीकृत कार्यों के जरिए गांवों, टोलों और स्थानीय बाजारों के बीच आवागमन को व्यवस्थित करने की योजना है। जिले के ग्रामीण हिस्सों में सड़क निर्माण को प्रशासनिक सेवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य पहुंच से भी जोड़ा जा रहा है। सड़कें बेहतर होने पर स्कूल, अस्पताल, मंडी और तहसील स्तर तक पहुंच का समय घटता है। इसी कारण इस प्रावधान को बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रमुख फैसलों में शामिल किया जा रहा है।

बजट स्वीकृति का दायरा

उपलब्ध जानकारी के अनुसार कुल 254 निर्माण कार्यों के लिए 225 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। यानी यह सिर्फ एकल परियोजना नहीं, बल्कि बहु-कार्य पैकेज है जिसमें अलग-अलग मार्गों पर निर्माण या सुधार गतिविधियां शामिल होंगी। स्थानीय स्तर पर इन कार्यों की प्राथमिकता, तकनीकी स्वीकृति और चरणबद्ध क्रियान्वयन प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत

तय किया जाएगा। सड़क निर्माण से जुड़े ऐसे पैकेज में आम तौर पर नई सड़कों के निर्माण, पुराने मार्गों के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और कनेक्टिविटी गैप भरने जैसे काम शामिल रहते हैं। हालांकि प्रत्येक कार्य का अंतिम स्वरूप संबंधित विभागीय स्वीकृतियों और निविदा प्रक्रिया के बाद स्पष्ट होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें बेहतर होने का सीधा असर दैनिक जीवन पर पड़ता है। किसानों के लिए उपज को बाजार तक पहुंचाना आसान होता है, छोटे व्यापारियों की परिवहन लागत घटती है और सार्वजनिक सेवाओं की पहुंच तेज होती है। मजरा-टोला क्षेत्र में स्वीकृत कार्य भी इसी व्यापक प्रभाव ढांचे में देखे जा रहे हैं। परिवहन नेटवर्क मजबूत होने से निजी और सार्वजनिक दोनों तरह की आवाजाही में स्थिरता आती है। बरसात के मौसम में जहां मार्ग बाधित होते थे, वहां पक्के और बेहतर संरचित मार्गों से सेवा निरंतरता बनाए रखने में मदद मिल सकती है। बजट स्वीकृति के बाद अगला चरण परियोजनाओं का जमीन पर क्रियान्वयन है। इसमें तकनीकी सर्वे, प्रशासनिक आदेश, वित्तीय रिलीज, निविदा और निर्माण एजेंसियों की नियुक्ति जैसी प्रक्रियाएं शामिल रहती हैं। 254 कार्यों की संख्या को देखते हुए विभागीय समन्वय और समयबद्ध निगरानी अहम होगी।

स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा है कि स्वीकृत राशि और कार्यों का लाभ तय समयसीमा में दिखाई दे। बड़ी संख्या में स्वीकृत परियोजनाओं का असर तभी स्पष्ट होगा जब निर्माण गुणवत्ता, प्रगति रिपोर्टिंग और रखरखाव व्यवस्था साथ-साथ चले। फिलहाल बजट में मिली मंजूरी ने विदिशा के मजरा-टोला क्षेत्र में सड़क विकास को नई प्राथमिकता दे दी है।

संपादकीय

मुफ्तखोरी की राजनीति और सुप्रीम कोर्ट का सवाल

चुनावी मौसम के आते ही मुफ्त योजनाओं और उपहारों की घोषणाओं का सिलसिला तेज हो जाता है। बिजली, पानी, भोजन, साइ किल, लैपटॉप और नकद सहायता जैसी योजनाएं अब राजनीतिक विमर्श का स्थायी हिस्सा बन चुकी हैं। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का यह प्रश्न – 'यदि सब कुछ मुफ्त मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे?' – केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि शासन और अर्थव्यवस्था की दिशा पर गंभीर चिंतन का संकेत है।

दरअसल, सामाजिक न्याय और जनकल्याण किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है। गरीब, वंचित और असहाय वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य का कर्तव्य है। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब कल्याणकारी योजनाएं लक्षित सहायता के बजाय व्यापक राजनीतिक लाभ के साधन में बदल जाती हैं। मुफ्त उपहारों की अंधाधुंध संस्कृति न केवल राजकोषीय अनुशासन को कमजोर करती है, बल्कि समाज में परिश्रम और आत्मनिर्भरता की भावना पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी संदर्भ में यह भी रेखांकित किया कि जो लोग वास्तव में भुगतान करने में सक्षम हैं, उन्हें भी मुफ्त सुविधाएं देना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। इससे सरकारी संसाधनों का असंतुलित उपयोग होता है और विकास परियोजनाओं, रोजगार सृजन तथा बुनियादी ढांचे पर होने वाला आवश्यक निवेश प्रभावित होता है। जब राज्य का बजट सीमित हो, तब प्राथमिकताएं और अधिक स्पष्ट होनी चाहिए – क्या सरकार का लक्ष्य तात्कालिक लोकप्रियता है या दीर्घकालिक विकास?मुफ्त योजनाओं के समर्थक इसे सामाजिक सुरक्षा का माध्यम मानते हैं, जो कुछ हद तक सही भी है। आर्थिक असमानता वाले समाज में कमजोर वर्गों को सहारा देना आवश्यक है। परंतु यह सहारा स्थायी निर्भरता में न बदले, यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। यदि नीतियां आत्मनिर्भरता के बजाय निर्भरता को प्रोत्साहित करें, तो वे दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था और कार्य संस्कृति दोनों के लिए चुनौती बन सकती हैं।एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न पारदर्शिता का है। सरकारी सहायता पर कितना खर्च हो रहा है, उसका वास्तविक लाभ किसे मिल रहा है, और क्या वह खर्च उत्पादक निवेश की कीमत पर किया जा रहा है – इन सभी पहलुओं पर सार्वजनिक जवाबदेही आवश्यक है। लोकतंत्र में कल्याणकारी नीतियां लोकलुभावन राजनीति का साधन नहीं, बल्कि संतुलित और उत्तरदायी शासन का हिस्सा होनी चाहिए।अंततः, यह बहस मुफ्त योजनाओं के पक्ष या विपक्ष की नहीं, बल्कि संतुलन की है। जरूरतमंदों को सहायता मिले, परंतु संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी सुनिश्चित हो। सरकारों को रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर अधिक ध्यान देना होगा, ताकि नागरिक सहायता पर निर्भर होने के बजाय सशक्त बनें। सुप्रीम कोर्ट का सवाल इसी मूल चिंता को उजागर करता है कि विकास का रास्ता मुफ्त उपहारों से नहीं, बल्कि अवसरों और आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है।

वर्ग संघर्ष : संसाधनों व सत्ता पर नियंत्रण ही मूल भावना

विवेक रंजन श्रीवास्तव
-विनायक फीचर्स

वर्ग संघर्ष मानव इतिहास की मूल शक्तियों में से एक है जिसने समाजों की संरचना बदली और विश्वव्यापी क्रांतियों का सूत्रपात किया। यूरोप में सामंतवाद से पूंजीवाद का संक्रमण, इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति के बाद मजदूर आंदोलन, 1789 की फ्रांसीसी क्रांति, 1917 की रूसी क्रांति तथा चीन, क्यूबा और लैटिन अमेरिकी आंदोलनों में उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण व श्रमशक्ति के शोषण के विरुद्ध संघर्षों ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचनाओं को उलट दिया। वर्ग विरोध की इसी वैश्विक पृष्ठभूमि में भारत का वर्ग संघर्ष केवल पूँजी और श्रम तक सीमित नहीं, बल्कि वर्ण व्यवस्था, जातीय वर्चस्व, भूमि संबंधों और राजनीति तथा सत्ता की जटिल गाँठों से जुड़ा है।

भारत में वर्ग संघर्ष वर्ण जाति, औपनिवेशिक शोषण, औद्योगिक पूँजीवाद और वैश्विक पूँजी की बहुस्तरीय प्रक्रिया है जो आज भी सक्रिय है। प्राचीन मध्यकालीन समाज में वर्ण व्यवस्था ने श्रम विभाजन व आर्थिक पदानुक्रम को वैध बनाया। कृषि अर्थ व्यवस्था में जमींदार, सामंत व उच्च वर्णीय किसान वर्ग का प्रभुत्व रहा, जबकि भूमि हीन श्रमिक, निम्न जातियाँ व वंचित समुदायों का कोई अधिकार न था। विद्रोहों की अंतर्धारा में वर्गीय असमानता व संसाधन कब्जे का आक्रोश झलकता था।

ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने जमींदारी व राजस्व व्यवस्था तोड़ी, रैयतों, किसानों व जमींदारों में तनाव पैदा किया तथा उद्योग, रेलवे व खदानों से मजदूर वर्ग का निर्माण हुआ। कर संग्रह, कच्चा माल व सस्ते श्रम शोषण से किसान व आदिवासी विद्रोह भड़के। 19वीं सदी के अंत में संगठित मजदूर वर्ग ने कारखाना मालिकों व औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष किया। प्रथम विश्व युद्ध, रूसी क्रांति व आर्थिक संकट ने वर्ग चेतना जगाई, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस बनी।

स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रीय नेतृत्व की राजनीतिक मुक्ति प्राथमिकता के साथ मजदूर किसान संगठनों ने भूमि सुधार, जमींदारी उन्मूलन व समानता माँगी। आदिवासी, किसान व मजदूर हड़तालों ने वर्गीय असंतोष दिखाया। स्वतंत्रता के बाद संविधान ने समाजवादी पथ अपनाया, पर भूमि स्वामियों, उच्च जातीय व पूँजीपति वर्ग का वर्चस्व कायम रहा। आधे अधूरे भूमि सुधार व नक्सल आंदोलन ने असमान भूमि वितरण व जातीय उत्पीड़न उजागर किया। शहरों में मजदूरों को अधिकार मिले, पर सत्ता अक्सर पूँजी के पक्ष में रही।भारत में वर्ग संघर्ष वर्ण जाति से घुला हुआ है। डॉ. अंबेडकर व मार्क्स के संवाद में कहा गया कि वर्ण संघर्ष के बिना वर्ग संघर्ष अधूरा है। सवर्ण वर्चस्व ने दलित, पिछड़े, आदिवासी व अल्प संख्यकों की अधीनता बनाए रखी। उदारीकरण ने मध्यवर्ग व पूँजीपतियों को लाभ दिया, पर असंगठित मजदूर, लघु किसान व अनुबंध श्रमिक असुरक्षित हुए। वर्ग संघर्ष खेत खदानों, सर्विस सेक्टर व झुग्गियों तक फैला रहा।

यहाँ वर्ग,आर्थिक स्थिति के साथ सांस्कृतिक पूँजी, जातीय पहचान व राजनीतिक पहुँच निर्धारित करता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सवर्ण विरोधी नारे वर्ण व वर्ग तनावों का संक्षेप हैं। बहुजन समाज पार्टी के उदयकाल में प्रतिनिधित्व राजनीति थी। विश्वनाथ प्रताप सिंह के समय मंडल विरोधी आंदोलन आरक्षण के विरुद्ध मध्यम वर्गीय आक्रोश था। आज यूजीसी नीतियों के विरुद्ध प्रतिरोध निजीकरण व बाजारीकरण से जुड़ा हुआ है जो वंचितों को प्रभावित करता है।मंडल आंदोलन अवसरों की साझेदारी के विरुद्ध था, जबकि वर्तमान स्वर संरचनात्मक असमानताओं पर हैं। सवर्ण विरोधी भाषा संरचना विरोध से द्वेष की ओर मुड़ सकती है। यह चिंताजनक है क्योंकि युवा राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। विश्वविद्यालय असहमति पोषित करें, पर वह विवेकपूर्ण हो, वर्ग ध्रुवीकरण लोकतंत्र को प्रभावित करता है।अंततः वर्ग संघर्ष का मूल प्रश्न,संसाधनों व सत्ता पर नियंत्रण है। अतः वर्ग संघर्ष स्वरूप बदल कर फिर फिर प्रगट होता रहता है। तार्किक,सम वितरण,नैसर्गिक न्याय ही वर्ग संघर्ष का किंचित समाधान है।

योग साधना से ईश्वर का साक्षात्कार

-मनमोहन कुमार आर्य

ऋषि दयानन्द के अनुयायियों को आश्रम के संस्थापकों के उद्देश्य व स्वपनों को साकार व सफल करना है। उन्होंने बताया कि आश्रम सभी पात्र साधकों के निवास एवं भोजन आदि की निःशुल्क व्यवस्था प्रदान करेगा। यह आश्रम तभी सफलता प्राप्त कर सकता है कि जब यहां बड़ी संख्या में साधक व साधिकायें रहकर वैदिक योग व ध्यान विधि से अपनी आत्मा की उन्नति करें और अपने जीवन को योग साधना के लक्ष्य ईश्वर साक्षात्कार को प्राप्त होके सफल करें।

गुरुकुल पौन्धा, देहरादून के आचार्य डा. धनंजय आर्य जी ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम इस तपोभूमि पर उपस्थित हैं। इस स्थान पर अनेक विख्यात योगियों एवं साधकों ने साधना की है। उन्होंने स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती, महात्मा आनन्द स्वामी, महात्मा प्रभु आश्रित जी, स्वामी आत्मानन्द जी आदि के नाम भी लिये। उन्होने कहा कि आश्रम की यह तपोभूमि योग व ध्यान साधना का उत्तम स्थान है। यहां साधक को शीघ्र सफलता मिलती है। आचार्य जी ने कहा कि साधना करने के स्थान का अपना महत्व होता है। उन्होंने कहा कि यह तपोभूमि साधना का उत्तम स्थान है। यजुर्वेद के चालीसवें अध्याय के दूसरे मन्त्र का उल्लेख कर आचार्य जी ने कहा कि मनुष्यों को उत्तम शुभ कर्मों को करते हुए जीवन को व्यतीत करना चाहिये। हम सब को त्यागपूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहिये और प्रलोभनों में फंसना नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि आज जगत के लोग साधना की जगह अधिक से अधिक सुख के साधनों की प्राप्ति के लिये प्रयत्न करते हैं। आचार्य धनंजय जी ने कहा कि हम अपनी आत्मा और परमात्मा को जानने का प्रयत्न ही नहीं करते। उन्होंने कहा कि हम सबको ईश्वर तथा अपनी आत्मा के सत्यस्वरूप को जानने का प्रयत्न करना चाहिये। आचार्य जी ने सभी श्रोताओं को अपने जीवन व चरित्र को आज के विषाक्त वातावरण से बचाने तथा वैदिक आचरण को अपने जीवन में धारण करने की सलाह दी। अपने वक्तव्य को विराम देते हुए आचार्य धनंजय जी ने कहा कि हम अपने मन को पवित्र बनाये। आचार्य जी ने कहा कि इस तपोभूमि में आकर किसी को सांसारिक विषयों की चर्चा कदापि नहीं करनी चाहिये अपितु उनका ध्यान इस बात पर ही केन्द्रित रहे कि हम यहां रहकर केवल ईश्वर व आत्मा की उन्नति पर ही विचार करेंगे और चर्चायें करेंगे। इससे यहां का वातावरण शुद्ध विचारों से युक्त रहेगा और साधको को अधिक लाभ व सफलता मिलेगी। हमारी आत्मा में सद् विचार व उत्तम भाव प्रविष्ट होंगे। इसी के साथ आचार्य जी ने अपनी वाणी को विराम दिया। इसके बाद सामूहिक रूप से शान्ति पाठ किया गया तथा वैदिक घोषों को उच्च स्वर से बोला गया जिसमें वैदिक धर्म की जय, स्वामी विरजानन्द सरस्वती, स्वामी दयानन्द सरस्वती जी महाराज, मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, योगेश्वर श्री कृष्ण जी की जय, आर्यसमाज अमर रहे, वेद की ज्योति जलती रहे तथा कृण्वन्तो विश्वमार्यम आदि के घोष सम्मिलित थे। आज प्रातः सम्पन्न हुए यज्ञ व व्याख्यानों में स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती, माता कमला नेगी, माता जगवती चैधरी, माता स्नेहलता खट्टर, बहिन सोनिका वालिया जी प्रधाना आर्यसमाज विकास नगर, श्री श्याम आर्य, श्री सुधीर माटा, श्री विनीत कुमार, श्री सुधीर गुलाटी, श्री नारायण दत्त पंचाल, श्री सतवीर रावत, श्रीमती पुष्पा गोसाई, श्री कुलदीप चौहान आदि महानुभाव उपस्थित थे। ओ3म् शम।

ग्वालियर में स्थापित 1865 की ब्रिटिश आर्मी की ऐतिहासिक तोप

ग्वालियर शहर के सेकंड बटालियन कैंपस में रखी 1865 की ब्रिटिश आर्मी की यह तोप अपने आप में औपनिवेशिक इतिहास की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह वही कालखंड था जब ग्वालियर किले पर अंग्रेजों का प्रभावी शासन स्थापित था और तत्कालीन राजपरिवार 'कंपू कोठी महल' (वर्तमान में आर.जी. कॉलेज परिसर) में निवास करता था। उल्लेखनीय है कि नया जयविलास महल बाद में वर्ष 1874 में निर्मित हुआ, जिससे यह तोप उस दौर की सैन्य उपस्थिति और प्रशासनिक व्यवस्था की साक्षी बन जाती है।

इस तोप पर स्पष्ट रूप से अंकित '1865' और 'ङ्क्र' का चिन्ह विशेष ऐतिहासिक महत्व रखता है। 'ङ्क्र' का अर्थ 'Victoria Regina' होता है, जिसका हिंदी अर्थ है 'रानी विक्टोरिया'। यह प्रतीक उस समय ब्रिटिश साम्राज्य के शाही चिह्न (CYPHER) के रूप में उपयोग किया जाता था और औपनिवेशिक सैन्य उपकरणों पर अंकित किया जाता था, जिससे उनके शासकीय स्वामित्व का संकेत मिलता था।

इस ऐतिहासिक तोप से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर वर्ष 1811 में ब्रिटिश जनरल सिकन्दर अलेक्जेंडर द्वारा निर्मित एक चर्च भी स्थित है। माना जाता है कि इसी जनरल के नाम पर उस पूरे क्षेत्र का नाम 'सिकन्दर कंपू' पड़ा, जो आज भी ग्वालियर के इतिहास और भूगोल में एक महत्वपूर्ण पहचान बनाए हुए है।

यदि व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की बात करें, तो भारत में तोपों का प्रथम संगठित सैन्य प्रयोग 16वीं शताब्दी में हुआ था, जब मुगल सम्राट बाबर ने 1526 के प्रथम पानीपत के युद्ध में तोपखाने का उपयोग कर युद्ध की दिशा ही बदल दी थी। इसके बाद भारतीय उपमहाद्वीप में तोपें युद्धक रणनीति का अहम हिस्सा बन गईं और ब्रिटिश काल तक आते-आते यह सैन्य शक्ति का प्रमुख प्रतीक बन चुकी थीं। इस प्रकार, ग्वालियर के सेकंड बटालियन परिसर में संरक्षित 1865 की यह ब्रिटिश तोप केवल एक धातु का सैन्य उपकरण नहीं, बल्कि औपनिवेशिक शासन, सैन्य इतिहास और ग्वालियर के शहरी विकास की जीवित ऐतिहासिक स्मृति के रूप में देखी जा सकती

योगदान की प्रवित्ति

डॉ प्रभात पांडेय

कोई भी व्यक्ति सभी गुणों, कौशलों वा साधनों से परिपूर्ण नहीं होता। दैनंदिन तथा विशिष्ट कार्यों के भलीभांति संपादन में प्रत्यक्ष या परोक्ष बाहरी योगदान अनिवार्य है। उचित जानकारी, परामर्श या मार्गदर्शन उपलब्ध कराना भी छोटा योगदान नहीं है। विभिन्न स्तरों पर लेनदेन की प्रथा का चलन सर्वत्र है। लेनदेन समस्त गतिविधियों के सुचारु संचालन की धुरी है। परस्पर लेनदेन से न केवल कार्य सधते हैं, बल्कि दो पक्षों के बीच आपसी सौहार्द और संबंध सुदृढ़ होते हैं।पारिवारिक सामाजिक या संगठनात्मक स्तर पर आपके आधिपत्य में संभवतः ऐसी अतिरिक्त. वस्तु, जुगत वा साधन हो, जिसके अभाव में अन्यंत्र तात्कालिक या आवश्यक कार्य अटक रहे हैं। मित्र, परिजन, पड़ोसी या किसी अपरिचित को वांछित वस्तु या सेवा उपलब्ध कराने पर, जहां आपके अतिरिक्त साधन का सदुपयोग होगा, वहीं दूसरे को राहत मिलेगी। उच्चतम कोटि का योगदान वह है जो बिना श्रेय या प्रतिफल की अपेक्षा के संपन्न किया जाए। ऐसे योगदान से जहां जरूरतमंद लाभान्वित होता है, वहीं योगदानकर्ता को अपार सुख मिलता है। वह नैतिक एवं आध्यात्मिक रूप से संवृद्ध होता है तथा प्रभु से निकटतर हो जाता है। योगदान की अभिवृत्ति उच्च मानवीय गुण है। घर-परिवार, समाज और कार्यस्थल में योगदानकर्ता अपने आसपास प्रसन्नता और उल्लास का परिवेश निर्मित करता है। योगदान करने का अभ्यास रहेगा तो शारीरिक और मानसिक सक्रियता बनी रहेगी। प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य अनुसार किसी भी रूप में अनेक अवसरों पर योगदान कर सकता है, केवल इच्छा चाहिए। योगदान का अभ्यास स्वभावगत न हो तो इसे अर्जित करना चाहिए। शरीर, धन और बल से क्षीण व्यक्ति भी सूझबूझ, परामर्श या छुटपुट तरीकों से बहुमूल्य योगदान दे सकता है। सृष्टि का विधान है, जब तक आप घर, परिवार और समाज में योगदान करते रहेंगे, तभी तक आपकी उपयोगिता और सम्मान बने रहेंगे।

दृष्टिकोण: मुफ्तखोरी पर न्यायपालिका के सवाल

डॉ. सुधाकर आशावादी, विनायक फीचर्स

देश का दुर्भाग्य यही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर गैर लोकतांत्रिक आचरण किया जा रहा है। सत्ता प्राप्ति के लिए राजनीतिक दल समाज को बांटने वाली गतिविधियों में लिप्त हैं। चुनाव जीतने के लिए सरकारी स्तर पर मुफ्त उपहार और नकदी बांटने से परहेज नहीं करते। राजनीतिक दल बिना किसी गंभीर चिंतन के घोषणा पत्रों के माध्यम से आकाश से तारे तोड़ने जैसे वायदे करने से नहीं चूकते। उनका मकसद येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करना होता है। बहरहाल जब सियासत देश की वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज करके अपने स्वार्थ पूरे करने पर आमादा हो, तब न्यायपालिका से ही अपेक्षा की जाती है, कि वह सियासी तत्वों पर नकेल कसकर उनके मंसूबों को ध्वस्त करके निष्पक्ष निर्णय दे।

न्यायपालिका समय समय पर व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देश देती भी है, किन्तु उस पर अमल किये जाने की अपेक्षा उन निर्णयों में राजनीतिक हित तलाशे जाते हैं तथा सत्ता उनके अनुपालन हेतु गंभीर नहीं होती, जिससे सुधार की प्रक्रिया में गतिरोध उत्पन्न होता है तथा उससे जनित स्थिति सम्पूर्ण राष्ट्र की एकता व अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखने बाधक बनती है।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने चुनाव से ठीक पहले अलग अलग राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार, बैंक खातों में नकद धनराशि दिए जाने की घोषणा की तीखी आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि यह सब कब तक चलता रहेगा, इस पर रोक लगाने की आवश्यकता है।

निसंदेह राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक नागरिक का राष्ट्र निर्माण में समुचित योगदान अपेक्षित होता है, ऐसे में यदि मुफ्त में व्यक्ति को जीवन यापन हेतु सुविधा मिलने लगेगी, तो वह जीवन यापन हेतु संघर्ष क्यों करेगा ? बहरहाल यह गंभीर चिंता का विषय है, देश के संसाधनों का जहाँ राष्ट्र के विकास में उपयोग किया जाना चाहिए, वहीं उनका प्रयोग यदि राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया जाएगा, तो सवाल उठेंगे ही। (विनायक फीचर्स)

आवारा कुत्तों से आदमी की जान की कीमत कम...?

वीपीएस भदोरिया

शहरों में आवारा कुत्तों की समस्या अब केवल असुविधा या शिकायत का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह सीधे नागरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है। भोपाल के अयोध्या नगर क्षेत्र में घटी हालिया घटना ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। आवारा कुत्तों की शिकायत करने पर शिकायतकर्ताओं पर ही तलवार से हमला कर दिया गया, जिसमें दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां उनका उपचार जारी है।

यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता और सामाजिक असंतुलन का संकेत भी है। जब नागरिक अपनी सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा को लेकर शिकायत करते हैं और बदले में उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर आम आदमी की जान की कीमत कितनी है?

भोपाल सहित देश के सभी छोटे बड़े शहरों में आवारा कुत्तों के बढ़ते मामलों, डॉग बाइट की घटनाओं और कॉलोनियों में बढ़ते भय का वातावरण प्रशासन के लिए चुनौती बनता जा रहा है। एक ओर नगर निगम कुत्तों को पकड़ने और नसबंदी की कार्रवाई की बात करता है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय विवाद, विरोध और ढीला अमल समस्या को जटिल बना देता है। नतीजा यह होता है कि समस्या खत्म होने के बजाय और ज्यादा संवेदनशील रूप ले लेती है।अयोध्या नगर की घटना यह भी दर्शाती है कि शिकायत जैसे लोकतांत्रिक अधिकार पर भी लोगों को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं पर हमला होना समाज के लिए और भी चिंताजनक संकेत है, क्योंकि यह सीधे कानून-व्यवस्था और सामाजिक सहिष्णुता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। पशु संरक्षण आवश्यक है, लेकिन मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। संतुलित नीति, सख्त कानून-व्यवस्था और संवेदनशील प्रशासनिक हस्तक्षेप ही इस समस्या का स्थायी समाधान दे सकते हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आवारा कुत्तों को लेकर विवाद भविष्य में और अधिक हिंसक रूप ले सकते हैं, जिसकी कीमत अंततः आम नागरिकों को ही चुकानी है।

संक्षिप्त समाचार

संकट की घड़ी में बना सहारा: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से भरत सिंह को मिले 2 लाख रुपये

विदिशा (निप्र)। कभी-कभी जीवन में अचानक आई विपत्ति पूरे परिवार को असहाय बना देती है, लेकिन शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ऐसे कठिन समय में उम्मीद की किरण बनकर सामने आती हैं। ऐसा ही अनुभव गंजबासौदा निवासी भरत सिंह रघुवंशी के जीवन में देखने को मिला। गंजबासौदा के वार्ड क्रमांक 14, शिवनगर निवासी भरत सिंह रघुवंशी की पत्नी स्वर्गीय कविता रघुवंशी का दुखद निधन एक दुर्घटना में हो गया था। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया था। लेकिन स्वर्गीय कविता रघुवंशी के बैंक खाते से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जुड़ी होने के कारण परिवार को बड़ी राहत मिली। भरत सिंह रघुवंशी ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए दावा प्रस्तुत किया। इसके बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, गंजबासौदा शाखा के माध्यम से 11 फरवरी 2022 को 2 लाख रुपये की बीमा राशि का भुगतान उन्हें प्राप्त हुआ। बीमा राशि मिलने से भरत सिंह को आर्थिक संबल मिला और कठिन समय में परिवार को संभालने में मदद मिली। भरत सिंह ने बताया कि उन्हें इस योजना के महत्व का पहले अंदाजा नहीं था, लेकिन आज यह योजना उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हुई है। यह कहानी इस बात का उदाहरण है कि छोटी सी प्रीमियम राशि से जुड़ी बीमा योजना भी संकट की घड़ी में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यह योजना विशेष रूप से आमजन और कम आय वर्ग के परिवारों के लिए सुरक्षा कवच बनकर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नर्मदापुरम में निःशुल्क आयुर्वेद एनोरेक्टल चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन आयुष विभाग के तत्वावधान में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, नर्मदापुरम में एक दिवसीय निःशुल्क एनोरेक्टल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉ. एस.पी. वर्मा संभागीय अधिकारी, अनॉर्कटल सर्जन डॉ. राम सिन्हा एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस.आर. करोंजिया की उपस्थिति में भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्पित कर किया गया। शिविर में अर्श , भगंदर , परिकार्तिका एवं अन्य गुदगत रोगों से पीड़ित 164 मरीजों की जांच की गई। विशेषज्ञ टीम में पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल से वरिष्ठ एनोरेक्टल सर्जन डॉ. राम सिन्हा, पीजी स्कॉलर डॉ. रवीन्द्र पाटिल, डॉ. गुंजन, डॉ. सोनाली एवं डॉ. शुभांगी शामिल थीं। जांच के बाद 98 मरीजों को क्षारसूत्र शल्यकर्म के लिए चयनित किया गया, जिनकी निःशुल्क सर्जरी 23 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल में की जाएगी। इन मरीजों को 22 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक भर्ती होकर उपचार प्राप्त करने के लिए बुलाया गया है। शिविर का निरीक्षण संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. एस.पी. वर्मा ने किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस.आर. करोंजिया के मार्गदर्शन में शिविर नोडल अधिकारी डॉ. ए.के. पुष्कर, डॉ. सविता पुष्कर, डॉ. ललिता उइके, डॉ. मिथिलेश उइके, डॉ. संदीप रघुवंशी तथा पैरामेडिकल स्टाफ ने सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिले में जैविक कृषि को प्रोत्साहित करेगी स्व-सहायता समूह की महिलाऐं

हरदा (निप्र)। म.प्र.डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला हरदा अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान हरदा में सोमवार को आजीविका स्व-सहायता समूहों को जैविक उत्पाद निर्माण, जैविक खेती व मार्केट लिंकेज के संबंध में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती को बढ़ावा, जैविक उत्पाद प्रसंस्करण की समझ विकसित करना एवं मार्केट उपलब्ध कराने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम में आजीविका स्व-सहायता समूह के तीनो विकासखंडों से अलग-अलग ग्रामों के अलग-अलग स्व-सहायता समूहों से 40 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में कृषि सखी, बीज सखी, पशु सखी एवं जैविक खेती करने हेतु इच्छुक किसान ने भाग लिया। जिले के मास्ट्रर ट्रेनर श्री जयनारायण राय द्वारा इन महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली जोसेफ, वरिष्ठ कृषि विज्ञानिक डॉ. संध्या मुरे, कृषि वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. भारती, उद्यानिकी विभाग से श्री योगेश तिवारी, आरसेटी प्रमुख श्री दिनेश शाक्या व श्री सुरेश धनगर, आजीविका मिशन से श्री राधेश्याम जाट, श्री शैलू सिंह चन्देल एवं श्री अभिजीत मिश्रा तथा श्री देवीसिंह तेकाम भी उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जोसेफ ने उपस्थित प्रतिभागियो से जैविक खेती पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इस दौरान जैविक खेती के लाभ/हानि एवं प्रशासनिक स्तर पर किये जा रहे प्रयास पर चर्चा की गई एवं सभी उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जैविक खेती पर स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को मार्गदर्शन दिया गया तथा शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं के संबंध में उपस्थित किसानों को विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा 76 आवेदनकर्ताओं की समस्या का किया गया समाधान

कलेक्टर के निर्देशानुसार जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर विभिन्न विभागों ने की प्रभावी कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली समस्याओं का समाधान प्रशासन द्वारा सतत रूप से किया जा रहा है। गत सप्ताहों में प्राप्त हुई शिकायतों के निराकरण में जिला प्रशासन द्वारा उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए 81 समस्याओं का निराकरण किया गया। उक्त समस्याओं में विभिन्न प्रकार की समस्या जैसे राशि भुगतान, शासकीय योजनाओं का लाभ, अवैध अतिक्रमण सहित अन्य समस्याएं सम्मिलित रही। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देश अनुसार अधिकारियों द्वारा समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उनका निराकरण। समस्याओं का निराकरण होने के पश्चात संबंधित आवेदनकर्ताओं ने बताया कि किस प्रकार प्रशासनिक अधिकारियों एवं संबंधित विभागों द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें राहत पहुंचाई। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी एवं त्वरित निराकरण प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी

क्रम में ग्राम तारारोड़ा के एक युवक द्वारा जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि एक नशा मुक्ति केंद्र द्वारा उससे 21 हजार रुपए की राशि जमा कराई जा रही है, जबकि निर्धारित राशि 12 हजार रुपए है। आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रशासन द्वारा संबंधित नशा मुक्ति संस्था से प्रकरण की जांच कराई गई। जांच उपरांत संस्था को निर्देशित किया गया कि युवक से 21 हजार रुपए के स्थान पर 12 हजार रुपए ही लिए जाएं। प्रशासन की पहल पर राशि संशोधित कराई गई तथा युवक को विधिवत डिस्चार्ज भी कराया गया।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत खरखेड़ी निवासी लक्ष्मी द्वारा जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि हाट बाजार निर्माण कार्य एवं पिचिंग वॉल का कार्य तो किया गया है, किंतु पिचिंग वॉल के पास सीढ़ियों की व्यवस्था नहीं होने से नदी में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन द्वारा संबंधित आरईएस विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उक्त संबंध में आवेदनकर्ता ने बताया कि उनकी शिकायत का शांतिपूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण कर दिया गया है तथा विभाग द्वारा अनुबंधित कार्य पूर्ण कराए गए। एक अन्य आवेदन पर कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग द्वारा आवेदनकर्ता श्री निखिल राजपूत की समस्या का समाधान किया गया। आवेदनकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर संज्ञान लेते हुए श्रम विभाग ने उनके पिता श्री पर्वत सिंह राजपूत का मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल योजना के अंतर्गत विधिवत पंजीयन कराया तथा संबंधित पंजीयन कोड जारी किया। शिकायतकर्ता राम चरण सिंह द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि उन्होंने इटारसी स्थित एक कॉलोनी में प्लॉट बुक करते समय कॉलोनी मालिक को एक लाख रुपए की राशि का भुगतान किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, कॉलोनी के प्रचार-प्रसार के दौरान कॉलोनी मालिक द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। इस कारण उन्होंने प्लॉट क्रय नहीं करने का निर्णय लिया तथा बुकिंग के समय दी गई एक लाख रुपए की राशि वापस करने के लिए कॉलोनी मालिक से अनुरोध किया, किंतु राशि वापस नहीं की गई। इस संबंध में उन्होंने जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन द्वारा शिकायतकर्ता एवं कॉलोनी मालिक को तहसील कार्यालय में समक्ष में बुलाकर आपसी सहमति से कॉलोनी मालिक द्वारा शिकायतकर्ता को एक लाख रुपए की राशि चेक के माध्यम से तत्काल प्रदान की गई। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुई अन्य समस्याओं का निराकरण भी संबंधित अधिकारियों एवं विभागों द्वारा करवाया गया।

मंगलवार को भी जनसुनवाई में ग्राम पथोड़ी निवासी शंकर लाल ने जल निकासी की उचित व्यवस्था ना होने के कारण दूषित जल भराव की समस्या से अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना प्रबंधक को जल निकासी के उचित व्यवस्था कर समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देशित किया। इसी प्रकार नर्मदापुरम निवासी नीरज बरग़ले ने निजी भूमि पर लोहे की सीढ़ी बनाकर अस्थाई अतिक्रमण कर लिया है, उन्होंने अतिक्रमण शीघ्र हटाने के लिए आवेदन दिया। जनसुनवाई मे आए नर्मदापुरम निवासी योगेश कुमार साहू ने नगर मे स्थित भोपाल तिराहे एव खोजनपुर ग्वालटोली मे मृत पशु एवं बदबूदार कचरा फेका जा रहा हैं, जिससे विषैले धुएं से वायु प्रदूषण हो रहा है जो संक्रमण और श्वास रोग का कारण बन रहा हैं। जिस पर कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारी को फैल रहे कचरे का उचित प्रबंधन करने को लेकर निर्देशित किया।

एमएसएमई रैम्प योजना के तहत बैतूल में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बैतूल (निप्र)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों एमएसएमई के सशक्तिकरण, गुणवत्ता सुधार तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार की रेजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत बैतूल जिले के शासकीय एकलव्य महिला आई टी आई कोसमी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए उद्यमियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्योग संघ अध्यक्ष श्री ब्रज आशीष पांडे, महिला आईटीआई प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे रहे। विशिष्ट अतिथियों में सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्री प्रवीण खवसे, रैम्प कंसलटेंट श्री रवीश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक श्री प्रवीण खौसी द्वारा किया गया। कार्यशाला की शुरुआत में सहायक प्रबंधक द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मध्य प्रदेश शासन की नवीन एमएसएमई नीति-2025 के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। रैम्प कंसलटेंट श्री रवीश कुमार ने रैम्प योजना के लक्ष्यों, लाभों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर श्री ब्रज आशीष पांडे जी ने जेड-लीन के अपने अनुभव साझा करते हुए उद्यमियों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान गुणवत्ता विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कुमार जैन ने जेड योजना, ईएसजी पर प्रस्तुति देते हुए गुणवत्ता सुधार, सर्टिफिकेशन प्रक्रिया एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेड योजना अपनाकर उद्योग उत्पादन गुणवत्ता में सुधार कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। आरईसीपी विशेषज्ञ श्री फवाद खान द्वारा आरईसीपी प्रबंधन की अवधारणा एवं इसके लाभों पर विशेष जानकारी दी। कार्यशाला में एमएसएमई क्षेत्र के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की उपयोगिता पर चर्चा की गई, जिस पर उपस्थित उद्यमियों ने सरकारी योजनाओं से जुड़ने में गहरी रुचि व्यक्त की। कार्यशाला के समापन पर उद्यमियों ने रैम्प एवं जेड योजनाओं को अपनाकर अपने उद्योगों के विकास, विस्तार एवं गुणवत्ता उन्नयन हेतु संकल्प व्यक्त किया।

आनंदपुर लटेरी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न, महिला सुरक्षा व बाल संरक्षण पर दिया गया विशेष मार्गदर्शन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा सतगुरु सेवा ट्रस्ट, आनंदपुर लटेरी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विभाग की अधिकारी श्रीमती लोढ़ा ने बताया है कि प्रशिक्षण में जिले की 150 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को महिला सुरक्षा, जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम एवं बाल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक एवं सशक्त बनाना था, ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा घरेलू हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा की पहचान एवं रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र में पोषण ट्रैकर ऐप, आभा आईडी एवं अपार आईडी की उपयोगिता पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। पोषण ट्रैकर के माध्यम से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण स्तर की निगरानी तथा डिजिटल सेवाओं से लाभार्थियों को जोड़ने की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यक्रम में सतगुरु सेवा ट्रस्ट के संचालक रविन्द्र जी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री आशीष यादव, श्री राजीव कॉल, श्री महेंद्र धाकड़, परियोजना प्रभारी श्रीमती कोलोडिया तिर्की एवं प्रशिक्षक श्री अरविंद मिश्रा उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अधिकारियों ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी सक्रिय भूमिका से महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण को और अधिक मजबूती मिलेगी।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभिन्न विभागों की सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा कर शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पंचायत विभाग, कृषि विभाग और पीएचई विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार और अधिकारीवार लंबित सीएम हेल्पलाईन की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आगामी दो दिवस में अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में नवागत जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, तहसीलदार और जनपद सीईओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाईन की तहसीलवार समीक्षा करते हुए तहसीलदार बाड़ी, गौहरगंज तथा रायसेन की अधिक संख्या में सीएम हेल्पलाईन लंबित होने तथा निराकरण की गति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित तहसीलदारों को प्राथमिकता से सीएम हेल्पलाईन का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा के दौरान सीएमओ मण्डीदीप के पास 72 सीएम हेल्पलाईन शिकायतें लंबित होने पर नाराजगी जाहिर की तथा कार्यप्रणाली में सुधार लाते हुए दो दिवस में शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य नगरीय निकायों में लंबित सीएम हेल्पलाईन की भी समीक्षा कर सीएमओ को निराकरण संबंधी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान जनपद सीईओ गैरतगंज, जनपद सीईओ बेगमगंज और जनपद सीईओ औबेदुल्लागंज सहित अन्य जनपद पंचायतों के सीईओ से सीएम हेल्पलाईन निराकरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु निर्देश दिए। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों में लंबित सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया। बैठक में नवागत जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखण्डों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ, बीएमओ सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में गठित की गई है जिला स्तरीय उपार्जन समिति

रायसेन (निप्र)। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की समस्त प्रक्रिया पंजीयन, पर्यवेक्षण, स्कंध की गुणवत्ता नीति के अंतर्गत आने वाली कठिनाईयों के निराकरण हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उपार्जन समिति गठित की गई है। इस समिति में जिला लीड बैंक अधिकारी, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, जिला सूचना अधिकारी, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायसेन, जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड रायसेन, जिला प्रबंधक मप्र वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन रायसेन, जिला प्रबंधक मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड, अधीक्षक भू-अभिलेख तथा सचिव कृषि उपज मंडी रायसेन को सदस्य बनाया गया है।

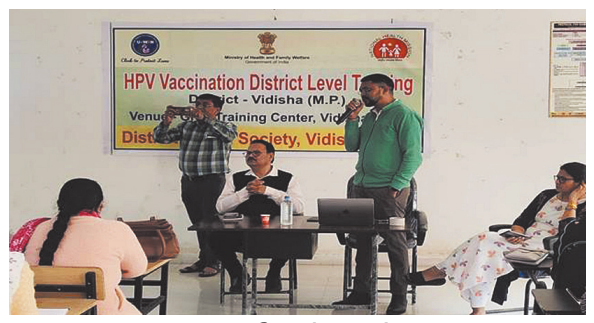

मातृ मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा, स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

विदिशा (निप्र)। जिले में मातृ मृत्यु दर को कम करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार की अध्यक्षता में मातृ मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस माह जिले में हुई सभी मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान डॉ. पुनीत माहेश्वरी एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा प्रत्येक प्रकरण का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया। समीक्षा के दौरान मातृ मृत्यु के कारणों, उपचार के दौरान अपनाई गई प्रक्रियाओं, संस्थागत व्यवस्थाओं तथा संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका का गहन विश्लेषण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं स्वास्थ्य अमला क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग करें और गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं, ताकि मातृ मृत्यु की घटनाओं को रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयास जारी रखने की बात कही, जिससे सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिल सके।

एचपीवी टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित, सीएमएचओ ने दिए आवश्यक निर्देश

विदिशा (निप्र)। जिले में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ग्यारसपुर एवं पीपलखेड़ा क्षेत्र के कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर एवं संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हेमन्त पंचोली द्वारा उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को एचपीवी टीकाकरण की प्रक्रिया, पात्र हितग्राहियों की पहचान, टीकाकरण की तकनीक, टीके के सुरक्षित भंडारण तथा रिपोर्टिंग संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

सीएमएचओ डॉ. रामहित कुमार ने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य कर्मी अपने-अपने क्षेत्र में पात्र किशोरियों एवं हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें समय पर टीकाकरण से लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रशिक्षण में टीकाकरण से संबंधित शंकाओं का समाधान भी किया गया तथा स्वास्थ्य कर्मियों को क्षेत्र में प्रभावी जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही इस महत्वपूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम का लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना: 779 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना, जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिले के 779 तीर्थ यात्री भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हुए। इस अवसर पर विदिशा रेलवे स्टेशन पर तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया और उत्साहपूर्ण माहौल में उन्हें यात्रा के लिए विदाई दी गई।

फीता काटकर बोगी में प्रवेश

विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने अयोध्या तीर्थ दर्शन के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों को स्पेशल ट्रेन की बोगी में प्रवेश कराने हेतु फीता काटा और नारियल फोड़कर पूजा अर्चना की हैं कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश

रघुवंशी विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन और विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा द्वारा विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क तीर्थ यात्रा का लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी वर्षों पुरानी आस्था पूर्ण हो रही है। रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं परिजनों द्वारा यात्रियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान यात्रियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशासन द्वारा यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यात्रा के दौरान भोजन, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिले के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की निशुल्क यात्रा कराई जा रही है, जिससे उन्हें आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो रहा है।गौरतलब हो कि जिले के सभी तीर्थ यात्रीगण अयोध्या में दर्शन उपरांत 23 फरवरी को वापस विदिशा पहुंचेंगे। इस अवसर पर विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, नटेरन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता यशपाल रघुवंशी, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा समेत अन्य विभागो के अधिकारी व तीर्थयात्रा पर रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों के परिजन मौजूद रहे

● खपत में सुधार के संकेत, ऑटो सेक्टर ने दिखाई बढ़त

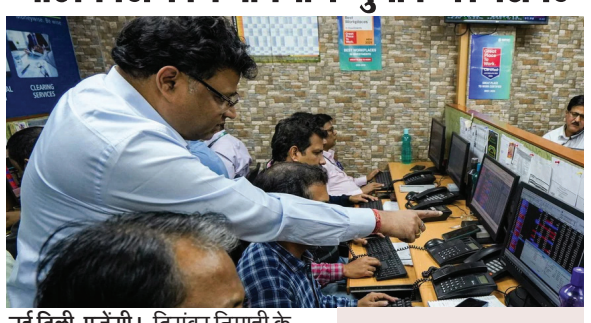

न्यू लेबर कोड का असर, 13 तिमाहियों में पहली बार निफ्टी की कंपनियों के मुनाफे में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर तिमाही के नतीजों में निफ्टी 50 की कंपनियों को पिछले 13 तिमाहियों में पहली बार मुनाफे में गिरावट का सामना करना पड़ा है। न्यू लेबर कोड के लागू होने के चलते 37 कंपनियों का कुल नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत घट गया। सितंबर 2022 तिमाही के बाद यह पहला मौका है जब मुनाफा नकारात्मक दर्ज किया गया है। हालांकि, अच्छी बात यह रही कि कंपनियों की टॉपलाइन में बढ़ोतरी हुई है। इस तिमाही में रेवेन्यू में 10 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से दर्ज की गई, जो मार्च 2023 तिमाही के बाद पहला दोहरे अंकों का आंकड़ा है। वहीं, ऑपेरेशनल मुनाफा सालाना आधार पर 7.5 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछली तिमाही के 6.1 प्रतिशत और एक साल पहले की समान अवधि के 5 प्रतिशत से बेहतर है। यह विश्लेषण बैंक, वित्तीय सेवा और तेल-गैस कंपनियों को छोड़कर किया गया है, क्योंकि इनके रेवेन्यू मॉडल अलग होते हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, खपत में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू ग्रोथ रेट क्रमिक रूप से 16 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई, जो जीएसटी कटौती के बाद पहली तिमाही है। इस विस्तार में ऑटो सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां ग्रोथ रेट 14 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई। वहीं, एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) की वृद्धि लगभग 13 प्रतिशत पर स्थिर रही। ज्वैलरी सेगमेंट में सोने की बढ़ती कीमतों के कारण रफ्तार देखी गई। रिटेल की वृद्धि सपाट रही, जबकि होटल और क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) सेगमेंट स्थिर हुए हैं। तिमाही के दौरान कंपनियों के मार्जिन पर न्यू लेबर कोड लागू होने का असर पड़ा। इस कोड के तहत मूल वेतन (बेसिक सैलरी) को कुल कॉस्ट टू कंपनी (सीटीसी) का 50 प्रतिशत करना अनिवार्य हो गया है, जिससे कई कंपनियों की ग्रेच्युटी लागत बढ़ गई। विश्लेषकों का अनुमान है कि तिमाही के दौरान कुल मुनाफे (पैट) पर इसका करीब 5 प्रतिशत का असर पड़ा। टेक्नोलॉजी सेक्टर को 13 प्रतिशत और डिस्क्रेशनरी सेक्टर को 6.5 प्रतिशत का झटका लगा। इसे एकमुश्त और नॉन-कैश चार्ज बताया जा रहा है, जिसने रिपोर्टेड कमाई को प्रभावित किया। अगर श्रम संहिता के इस असर को हटा दिया जाए, तो नेगेटिव सरप्राइज का हिस्सा 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत रह जाता।

कमाई पर किसका रहा सबसे ज्यादा असर

मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक सालाना आधार पर कमाई में हुए इजाफे में टाटा स्टील, टीसीएस और भारती एयरटेल का योगदान 78 प्रतिशत रहा। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, सिप्ला और इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन) की कमाई ने समग्र आय पर नकारात्मक असर डाला। इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 10 कंपनियों का मुनाफा उम्मीद से कम रहा, 14 कंपनियों ने अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया और 26 के नतीजे अनुमान के अनुरूप रहे।

खाद्य कीमतों में तेजी, नए वित्त वर्ष में 1.8 प्रतिशत बढ़ेगी महंगाई

नई श्रृंखला में आधार प्रभाव का असर रहेगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में तेजी के चलते खुदरा महंगाई एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष 2026-27 में 1.8 फीसदी बढ़कर 4.3 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इसके 2.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

क्रिसिल ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, खाद्य वस्तुओं की महंगाई के मौजूदा निचले स्तर से सामान्य होने की वजह से खुदरा महंगाई बढ़ेगी। इसकी मुख्य वजह कम आधार प्रभाव है। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतें मौटे तौर पर नरम रहने की उम्मीद है, जिसे 2026 में मानसून के सामान्य रहने से समर्थन मिलेगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि मुद्रास्फीति की नई श्रृंखला में खाद्य वस्तुओं का कम भारांश खुदरा महंगाई में इस बढ़ोतरी को सीमित कर देगा। नई श्रृंखला में खाद्य वस्तुओं का भारांश पुरानी सीरीज के 45.86 फीसदी से कम होकर 36.75 फीसदी रह गया है। यानी आधार प्रभाव से महंगाई में होने वाली बढ़ोतरी पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम होगी। गैर-खाद्य महंगाई से भी मुद्रास्फीति में होने वाली वृद्धि को सीमित रखने में मदद मिलेगी। सोने-चांदी में उछाल से आरबीआई ने 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए महंगाईअनुमान को बढ़ाकर क्रमशः4 फीसदी एवं 4.2 फीसदी कर दिया है। सोने-चांदी में उछाल से तेज रफ्तार से बढ़ी मुख्य महंगाई रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य महंगाई इंडेक्स का भारांश 47.3 फीसदी से बढ़कर 57.89 फीसदी हो गया है। इससे हेडलाइन महंगाई पर इसका असर और मजबूत हुआ है और खुदरा मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी को सीमित रखने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में हेडलाइन मुद्रास्फीति की तुलना में मुख्य महंगाई दर ज्यादा तेजी से बढ़ी है, जिसकी वजह सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल रही है। मुख्य महंगाई में ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले खाद्य और बिजली की मुद्रास्फीति दर को शामिल नहीं किया जाता है। नई श्रृंखला में उतार-चढ़ाव कम रहेगा- महंगाई के संशोधित ढांचे के तहत खाद्य महंगाई में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है।

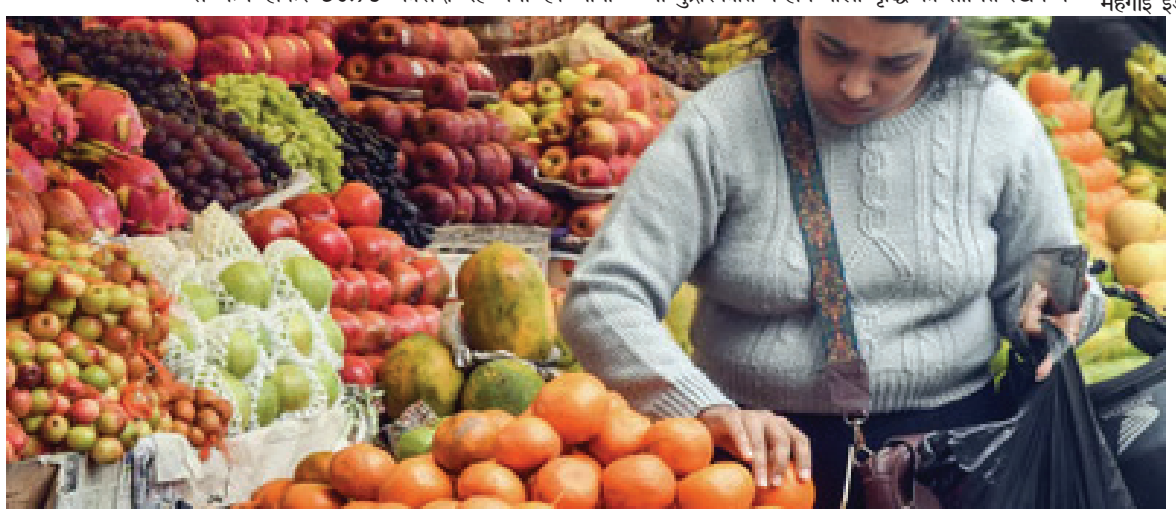

फैक्ट्री उत्पादन में बढ़ोतरी रही मुख्य वजह

फरवरी में तीन महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा भारत का पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का पीएमआई फरवरी में तीन महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। एसएंडपी की रिपोर्ट में साझा किए गए डेटा के अनुसार, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई डेटा फरवरी में बढ़कर तीन महीनों के उच्चतम स्तर 59.3 पर पहुंच गया है, जो कि जनवरी में 58.4 था। डेटा में बताया गया कि पीएमआई में तेज बढ़ोतरी की वजह फैक्ट्री उत्पादन में बढ़ोतरी होना है। हालांकि, सर्विसेज गतिविधियों की वृद्धि जनवरी के मुताबिक ही समान रही है।

एचएसबीसी में भारत के लिए मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, उत्पादन में मजबूत वृद्धि और नए घरेलू ऑर्डरों के समर्थन से फरवरी में मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री मजबूत हुई है। समग्र स्तर पर, फरवरी में हुई वृद्धि पिछले सितंबर के बाद सबसे मजबूत रही। भंडारी ने आगे कहा, बढ़ती महंगाई के बावजूद, मैन्युफैक्चरर्स और सर्विस प्रोवाइडर्स दोनों ही भविष्य को लेकर आशावादी थे।

भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने फरवरी के दौरान कुल नए ऑर्डर और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में हुई तीव्र वृद्धि का स्वागत किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती करने और उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिला। इसके अलावा, व्यवसायों में विकास की संभावनाओं को लेकर आशावाद बढ़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सुधारों के साथ-साथ महंगाई का दबाव भी बढ़ा, जिससे इनपुट लागत और विक्रय शुल्क दोनों में तेजी से वृद्धि हुई। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उत्पादन के रुझान के समान, कुल नए ऑर्डर में पिछले नवंबर के बाद से सबसे तेज गति से वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण में भाग लेने वालों ने वृद्धि का श्रेय मांग में मजबूती, स्थानीय पर्यटन, विपणन प्रयासों और ग्राहकों की बढ़ती पूछताछ को दिया। वस्तुओं के उत्पादकों ने सेवा कंपनियों की तुलना में कुल बिक्री में अधिक मजबूत वृद्धि दर्ज की, और यह वृद्धि पिछले चार महीनों में सबसे तेज थी। वहीं, सेवा कंपनियों की वृद्धि 13 महीनों के निचले स्तर पर आ गई थी। गुणात्मक आंकड़ों से पता चला कि प्रतिस्पर्धी दबाव और अन्य जगहों पर सस्ती सेवाओं की उपलब्धता ने इस तेजी को धीमा कर दिया। आंकड़ों से पता चला, सेवा अर्थव्यवस्था ने निर्यात के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में अगस्त 2025 के बाद से सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के अलावा, माल उत्पादकों ने खरीद की मात्रा भी बढ़ाई। फरवरी में इनपुट खरीद में वृद्धि चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। आंकड़ों से अनुसार, आपूर्तिकर्ता समय पर सामग्री की आपूर्ति करने में सक्षम थे, और विक्रेताओं के बेहतर प्रदर्शन का सिलसिला दो साल से जारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे कंपनियों को कच्चे माल और अर्ध-तैयार वस्तुओं का स्टॉक बढ़ाने में मदद मिली।

विदेशी मालिक हो रहा है कंपनी से बाहर, रॉकेट सा उड़ गए शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मास्युटिकल्स कंपनी नोवार्टिस इंडिया के शेयर बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। नोवार्टिस इंडिया के शेयर शुक्रवार को क्त्रस्थ में 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 996.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। नोवार्टिस इंडिया की स्विस पैरेंट नोवार्टिस एजी ने कहा है कि वह अपनी लिस्टेड भारतीय यूनिट में अपनी पूरी 70.68 पर्सेंट हिस्सेदारी नए इनवेस्टर्स को बेचेगी। यह डील करीब 1446 करोड़ रुपये में हो सकती है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, वेबराइज इनवेस्टमेंट्स, क्रिसकैपिटल और 2 इंफीनिटी पार्टनर्स ने नोवार्टिस इंडिया की पैरेंट इकाई से हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। 860.64 रुपये प्रति शेयर के दाम पर हिस्सेदारी खरीदने के लिए एग्रीमेंट हुआ है, यह गुरुवार के स्टॉक क्लोजिंग प्राइस से 3.6 पर्सेंट प्रीमियम पर है। कंपनियों ने नोवार्टिस इंडिया के पब्लिक शेयरहोल्डर्स से 26 पर्सेंट अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए भी ऑफर दिया है। ओपन ऑफर भी 860.64 रुपये प्रति शेयर के दाम पर दिया गया है। अगर ओपन ऑफर के जरिए पूरी 26 पर्सेंट हिस्सेदारी टेंडर्ड की जाती है, तब कंपनी में वेबराइज इनवेस्टमेंट्स की 72.78 पर्सेंट, कैटेगरी-एआईएफ क्रिसकैपिटल फंड ङ्ग की 17.33 पर्सेंट हिस्सेदारी होगी। वहीं, दो इंफीनिटी पार्टनर्स की कंपनी में 6.57 पर्सेंट हिस्सेदारी होगी। अगर ओपन ऑफर के तहत कोई शेयर टेंडर्ड नहीं किए जाते हैं तो कंपनी में वेबराइज इनवेस्टमेंट्स की 56.45 पर्सेंट हिस्सेदारी है, जबकि क्रिसकैपिटल के फंड की 10.32 पर्सेंट हिस्सेदारी होगी। दो इंफीनिटी पार्टनर्स की कंपनी में 3.91 पर्सेंट हिस्सेदारी होगी।

कारोबार को बांट रही सरकारी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ लॉन्च करने से पहले सरकार की महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कारोबार को लेकर एक अहम ऐलान किया है। कंपनी ने अपने एग्री डिपार्टमेंट को अप्रैल तक अलग करने की योजना बनाई है। बता दें कि दिसंबर में कंपनी का आईपीओ आने वाला है। इस लिहाज से डीमर्जर का कदम

काफी अहम है। एमएसईडीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि हम महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के लिए दिसंबर तक आईपीओ लाने का लक्ष्य रख रहे हैं और उससे पहले हम अपने कृषि व्यवसाय को अलग करेंगे, जिसे हम अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं। लोकेश चंद्र ने कहा कि कृषि कैटेगरी को एक अलग कंपनी के रूप में बनाया जाएगा, न कि सहायक कंपनी के रूप में। इससे यह सुनिश्चित होगा कि इसकी देनदारियां मुख्य वितरण कंपनी की बैलेंस शीट पर न रहें। उन्होंने बताया कि स्स्श्वष्ठष्टरुपर कुल मिलाकर लगभग 96,000 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें से लगभग 76,000 करोड़ रुपये कृषि उपभोग से संबंधित बकाया हैं। बता दें कि अप्रैल में हुए विभाजन के बाद शेष इकाई पर लगभग 20,000 करोड़ का कर्ज बना रहेगा।

गाजा पुनर्निर्माण: विश्व बैंक ने किया विशेष फंड का एलान, अजय बंगा ने बताई भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। युद्ध प्रभावित गाजा के पुनर्निर्माण को गति देने के लिए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने एक समर्पित गाजा रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट फंड की घोषणा की है। यह फंड अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाले धन को सुव्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करेगा और पुनर्निर्माण परियोजनाओं में उसके प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करेगा।

वाशिंगटन में आयोजित बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक को संबोधित करते हुए बंगा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पारित होते ही विश्व बैंक ने फंड की स्थापना की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि यह फंड अब विश्व बैंक के भीतर स्थापित हो चुका है और दानदाताओं से मिलने वाली राशि प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बंगा ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था

में विश्व बैंक लिमिटेड ट्रस्टी की भूमिका निभाएगा, जबकि फंड का संचालन नवगठित बोर्ड ऑफ पीस के निर्देशों के तहत किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरी प्रणाली का आधार पारदर्शिता और जवाबदेही होगी, ताकि सहयोग देने वाले देशों को यह स्पष्ट जानकारी मिल सके कि उनका धन किस परियोजना और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए वित्तीय, कानूनी और निगरानी से जुड़े कड़े मानक लागू किए जाएंगे। साथ ही जवाबदेही को और मजबूत करने के लिए विश्व बैंक ने एक वित्तीय नियंत्रक को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड ऑफ पीस के साथ जोड़ा है। विश्व बैंक समूह की व्यापक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बंगा ने तीन प्रमुख प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। पहला, सार्वजनिक वित्त का अधिकतम उपयोग, जिसमें विश्व बैंक की उच्च क्रेडिट रेटिंग के माध्यम से निजी बांड के जरिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने की संभावना शामिल है।

दूसरा, निजी निवेश को जोखिम से मुक्त बनाना, जिसके तहत गारंटी और वित्तीय उपकरणों के जरिए निजी पूंजी को आकर्षित किया जाएगा। तीसरा, विश्व बैंक की जमीनी विशेषज्ञता और अनुभव, जिसका उपयोग गाजा के पुनर्निर्माण कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक केवल दूर से निगरानी करने वाली संस्था नहीं रहेगा, बल्कि पुनर्निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा ताकि गाजा और पूरे क्षेत्र के लोगों को बेहतर जीवन और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में प्रस्तुत पुनर्निर्माण योजना में आवास, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं के बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण का खाका शामिल है।इसके अलावा गाजा में नई फिलिस्तीनी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।कई देशों ने अरबों डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 10 अरब डॉलर तक की सहायता का वादा शामिल है।

विश्व बैंक की तीन प्रमुख प्राथमिकताएं

विश्व बैंक समूह की व्यापक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बंगा ने तीन प्रमुख प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। पहला, सार्वजनिक वित्त का अधिकतम उपयोग, जिसमें विश्व बैंक की उच्च क्रेडिट रेटिंग के माध्यम से निजी बांड के जरिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने की संभावना शामिल है। दूसरा, निजी निवेश को जोखिम से मुक्त बनाना, जिसके तहत गारंटी और वित्तीय उपकरणों के जरिए निजी पूंजी को आकर्षित किया जाएगा। तीसरा, विश्व बैंक की जमीनी विशेषज्ञता और अनुभव, जिसका उपयोग गाजा के पुनर्निर्माण कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक केवल दूर से निगरानी करने वाली संस्था नहीं रहेगा।

● कंपनी का आज खुल रहा है आईपीओ

प्राइवेट हॉस्पिटल में नौकरी करने वाली डॉक्टर बन गई भारत में आइवीएफ क्वीन

नई दिल्ली, एजेंसी। सक्सेस स्टोरी की आज की श्रृंखला में हम आपको बता रहे हैं गॉडियम आईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड की फाउंडर और सीईओ डॉ. मनिका खन्ना की कहानी। दिल्ली के एक डॉक्टर परिवार में जन्मी मनिका देश की जानी-मानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन एक्सपर्ट हैं। वह इस समय देश के करीब 30 देशों में 30,000 से भी ज्यादा परिवारों में बच्चे की खुशी बांट चुकी हैं। उनकी कंपनी गॉडियम आईवीएफ का आईपीओ आने वाला है।

दुनिया में ढेरों जोड़े ऐसे होते हैं जिनके यहां तमाम प्रयासों के बावजूद बच्चे की किलकारी नहीं गूंज पाती है। ऐसे जोड़ों के घर खुशी की सौगात देती हैं दिल्ली की डॉक्टर मनिका खन्ना। जी हां, इन्होंने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमडी करने के बाद आईवीएफ तकनीक की पढ़ाई जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया से की है। इन्होंने गॉडियम ईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड

नाम की एक कंपनी बनाई है जिसकी पहुंच देश के 22 राज्यों तक हो चुकी है। इसके मरीज दुनिया भर के 30 देशों से हैं। इनकी कंपनी का आईपीओ आज यानी 20 फरवरी 2026 को खुल रहा है। डॉ. मनिका खन्ना का जन्म डॉक्टरों के परिवार में हुआ है। उनकी दादी भी डॉक्टर थी, जिन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस किया था। उनकी दादी के बैचमेट जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारुख अब्दुल्ला भी थे। उनके पिताजी भी वेटनरी डॉक्टर थे। उनके पति पीयूष खन्ना भी डॉक्टर हैं। वह बाल बाल रोग विशेषज्ञ हैं। हालांकि, उनका बेटा विषद खन्ना डॉक्टर नहीं है बल्कि उन्हीं की कंपनी में डायरेक्टर है। उनकी बेटी अमेरिका से स्पेस साइंस में पढ़ाई कर रही हैं। डा. मनिका खन्ना दिल्ली की हैं। उन्होंने रामकृष्णपुरम के बेहद प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी की है। 12वीं के बाद ही उनका चयन सीबीएसई द्वारा आयोजित होने वाली मेडिकल की संयुक्त परीक्षा में चयन हो गया। उन्हें साल 1991 में गुजरात के बड़ौदा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला। वह हर साल अपनी कक्षा में अव्वल रहती थीं और एमबीसीएस की परीक्षा गोल्ड मेडल के साथ पास की। फिर उनका प्रवेश उसी मेडिकल कॉलेज में एमडी के लिए हो गया। उन्होंने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से ही 1999 में एमडी की पढ़ाई गोल्ड मेडल के साथ पूरी की। डा. मनिका खन्ना ने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से एमडी करने के बाद दिल्ली आ गई।

10 ग्राम सोना जिंदगी नहीं बदल देगा... सीए ने बताया कहां और कितने निवेश से बनेंगे अमीर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमीर बनने के लिए कितना पैसा निवेश करना जरूरी है यह एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब लगभग हर नया निवेशक जानना चाहता है। वह उस चीज में पैसा निवेश करने के लिए उत्सुक रहता है, जिसमें उस समय तेजी आ रही हो। सिर्फ चाहे वह सोना हो या चांदी या शेयर बाजार। काफी नए निवेशक ऐसे होते हैं जो आटे में नमक जितनी रकम निवेश करते हैं और सपना देखते हैं पहाड़ जितने बड़े फंड का, जो संभव नहीं है। ऐसे ही निवेशकों को लेकर सीए, निवेशक और फाइनेंशियल एक्सपर्ट अक्षत श्रीवास्तव ने एक पोस्ट लिखी है।

अक्षत ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अगर कोई शख्स 10 ग्राम सोना खरीदकर अमीर बनने के सपने देख रहा है तो यह संभव नहीं है। साथ उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी बताया है कि लोगों को कहां और कितनी रकम निवेश करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया है कि वह किस चीज में अपनी कितनी रकम निवेश करने जा रहे हैं।

अक्षत श्रीवास्तव ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अगर आप 10 ग्राम सोना खरीदते हैं, तो इससे आपकी जिंदगी नहीं बदलेगी। लेकिन, अगर आप अपनी कुल संपत्ति का 30 प्रतिशत सोने पर दांव लगाते हैं और सोना बढ़ता रहता है, तो यह आपकी जिंदगी बदल सकता है।

वह अपनी पोस्ट में आगे बताते हैं, यह बहुत आसान है कि आप अपनी नेटवर्थ का 0.001 प्रतिशत किसी भी चीज पर लगा दें। उसे 5 गुना बढ़ा लें। और फिर अपनी शानदार निवेश की काबिलियत के बारे में बातें करते रहें। असली हिम्मत तो तब लगती है जब आप अपनी कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा किसी खास चीज पर दांव पर लगाते हैं। अक्षत श्रीवास्तव बताते हैं कि आज वे अपनी कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत अमेरिकी एआई स्टॉक्स पर लगा रहे हैं। वे इसे 60 से 70 प्रतिशत तक ले जाने की सोच रहे हैं। वे कहते हैं कि देखते हैं यह कैसा रहता है। क्षत की पोस्ट का सीधा सा मतलब है कि छोटी-छोटी बचतें या निवेश जिंदगी में बड़ा बदलाव नहीं लाते। असली बड़ा बदलाव तब आता है जब हम सोच-समझकर, हिम्मत के साथ अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा किसी ऐसे क्षेत्र में लगाते हैं जिसमें हमें भरोसा हो और जिसके बढ़ने की संभावना हो। जैसे कि एआई स्टॉक्स।

बीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया

- खिलाड़ियों को 4 ग्रेड में बांटा, ग्रेड डी खिलाड़ियों को मिलेंगे सिर्फ 1.5 लाख रुपये

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2026 तक के लिए पुरुष टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी है। 2025 में जहां 22 खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट में शामिल थे, वहीं 2026 के लिए यह संख्या बढ़ाकर 28 कर दी गई है। बीसीबी ने खिलाड़ियों को कैटेगरी ए,बीसी और डी में बांटा है। तस्किन अहमद ए+ ग्रेड से इस बार ए ग्रेड में आ गए तेज गेंदबाज तस्किन अहमद, जो पिछले साल अकेले ए+ ग्रेड में थे, इस बार ए

ग्रेड में आ गए हैं। फरवरी में एचिलीज चोट के कारण वे 2025 में कोई टेस्ट मैच नहीं खेल सके, लेकिन व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सक्रिय रहे। उन्होंने 6 वनडे में 8 विकेट और 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 विकेट लिए। कुल मिलाकर तस्किन ने 17 टेस्ट में 49 विकेट, 83 वनडे में 117 विकेट और 86 टी20 में 106 विकेट लिए हैं। ग्रेड ए में नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, लिटन दास और तस्किन अहमद शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को 8 लाख बांग्लादेशी टका (लगभग ?6 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

ग्रेड बी में 11 खिलाड़ी को रखा गया

वहीं, अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम पिछले साल मार्च में वनडे से संन्यास लेने के बाद अब बी ग्रेड में आ गए हैं। उनके साथ मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तौहीद हृदय, हसन महमूद, नाहिद राणा, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को भी बी ग्रेड में रखा गया है। इस ग्रुप के खिलाड़ियों को 6 लाख टका (करीब ?4.5 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

4 खिलाड़ियों को क्रग्रेड में प्रमोशन मिला- शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को शानदार प्रदर्शन के चलते बी ग्रेड में प्रमोशन मिला है। तंजीद हसन 2025 में टी20 में बांग्लादेश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 27 मैचों में 775 रन बनाए। वहीं, रिशाद हुसैन ने पिछले सीजन वनडे और टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा विकेट लिए। उन्होंने 25 टी20 में 33 और 7 वनडे में 17 विकेट झटके।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में लौट रहा ये धाकड़ पहलवान, जॉन सीना तक की कर चुका है पिटाई

यूएस (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग के दिग्गज और 'द फिनोमिनल वन' के नाम से मशहूर एजे स्टाइल्स एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। हाल ही में संपन्न हुए मंडे नाइट आरएडब्ल्यूके एपिसोड के दौरान कुछ ऐसे बड़े ऐलान और संकेत मिले हैं, जिसने उनके फैंस के बीच उत्साह भर दिया है। स्टाइल्स पिछले कुछ समय से चोट और व्यक्तिगत कारणों से एक्शन से दूर रहे हैं, लेकिन अब उनकी वापसी की संभावनाएं नजर आ रही हैं। क्या एजे स्टाइल्स की होगी वापसी?

सोशल मीडिया पर फैंस इस बात को लेकर कयास लगा रहे हैं कि क्या आगामी किसी बड़े इवेंट में वे रिंग में फिर से अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने हालिया एपिसोड्स में जिस तरह से नई स्टोरीलाइन्स और बड़े मैचों की घोषणा की है, उससे यह स्पष्ट है कि कंपनी अपने रोस्टर को और मजबूत करने की योजना बना रही है। एजे स्टाइल्स जैसे अनुभवी रेसलर की मौजूदगी न केवल शो की रेटिंग्स को बढ़ाती है बल्कि युवाओं के लिए भी एक बड़ी चुनौती पेश करती है। डब्ल्यूडब्ल्यूई की ओर से नहीं आया कोई बयान हालांकि डब्ल्यूडब्ल्यूई की ओर से उनकी वापसी की कोई सटीक तारीख अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन पर्दे के पीछे की हलचल और हालिया घोषणाओं ने इस बात को हवा दे दी है कि स्टाइल्स बहुत जल्द वापसी कर किसी बड़ी चैंपियनशिप का हिस्सा बन सकते हैं।

सुपर-8 टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

- वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप में भारी पड़ा, साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद 8 टीमें सेकेंड राउंड में पहुंच चुकी हैं। यहां 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के ग्रुप में रखा है। विंडीज को छोड़कर बाकी दोनों टीमों के खिलाफ भारत का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड अच्छा है।

सुपर-8 स्टेज की तीनों टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

- **साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया-** सुपर-8 स्टेज में टीम इंडिया का पहला मैच 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमों ने 8 टी-20 खेले, 6 में भारत और महज 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में दोनों टीमें 7 बार भिड़ीं, 5 में भारत और 2 में ही साउथ अफ्रीका जीत सका। टीम इंडिया ने 2014 के सेमीफाइनल और 2024 के फाइनल में प्रोटियाज टीम को ही हराया था। ओवरऑल टी-20 में भी भारत ने साउथ अफ्रीका को 60 प्रतिशत मैच हराए हैं।
- **जिम्बाब्वे ने चैंपियन बनने के बाद हराया-** टीम इंडिया का दूसरा मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से ही शुरू होगा। 29 जून

2024 को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर ही गई। जहां होम टीम ने पहले ही मुकाबले में भारत को 102 रन पर समेटकर 13 रन से मुकाबला जीत लिया। हालांकि, सीरीज 4-1 से भारत के नाम रही।टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें इकलौती बार 2022 में भिड़ी थीं। मेलबर्न में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की फिफ्टी के सहारे 186 रन बना दिए। जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन ही बना सका। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 हुए, महज 3 में जिम्बाब्वे को जीत मिल सकी।

- **वेस्टइंडीज 2016 का सेमीफाइनल हरा चुका-** टीम इंडिया का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह मुकाबला भी शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमें एक बार भी नहीं भिड़ीं, दोनों टीमें 2024 के आईसीसी टूर्नामेंट में भी आमने-सामने नहीं हो सकी थीं। भारत ने वेस्टइंडीज को ओवरऑल 63 प्रतिशत टी-20 मैच हराए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का पलड़ा ही भारी रहा। आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें 2009 में पहली बार भिड़ी थीं, तब लॉर्ड्स में भारत 7 विकेट से हार गया। 2010 में भी विंडीज 14 रन से जीता। भारत को इकलौती जीत 2014 में मिली, तब टीम 7 विकेट से जीती थी। दोनों टीमें 2016 में मुंबई के मैदान पर सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुईं। भारत ने विराट कोहली के 89 रन की मदद से 192 रन बनाए, विंडीज ने 2 गेंदें बाकी रहते हुए 7 विकेट से मुकाबला जीता और भारत को बाहर कर दिया।

सभी टेबल टॉपर भारत के ग्रुप में

सुपर-8 से पहले ग्रुप स्टेज में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत ग्रुप-ए में सभी मैच जीतकर टॉप पर रहा। टीम इंडिया के सुपर-8 ग्रुप में शामिल जिम्बाब्वे ग्रुप-बी, वेस्टइंडीज ग्रुप-सी और साउथ अफ्रीका ग्रुप-डी में सभी मैच जीतकर नंबर-1 पर रहा। यानी टीम इंडिया के ग्रुप-1 में सभी अजेय टीमें हैं। दूसरी ओर ग्रुप-2 में शामिल श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में 1-1 हार जरूर मिली।

जिम्बाब्वे ने लगातार दूसरे वर्ल्ड चैंपियन को हराया

- ऑस्ट्रेलिया के बाद श्रीलंका को 6 विकेट से मात दी, 26 फरवरी को भारत से मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरे मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम को मात दी है। उसने गुरुवार को कोलंबो में 2014 की वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। टीम ने 13 फरवरी को 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराया था।

अब सुपर-8 में टीम का पहला मैच 23 फरवरी को मुंबई में वेस्टइंडीज से होगा। इसके बाद 26 फरवरी को भारत से चेन्नई में मुकाबला होगा। सुपर-8 में जिम्बाब्वे का आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में साउथ अफ्रीका से होगा। जिम्बाब्वे आईसीसी रैंकिंग में 11वें नंबर पर है।इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने 7 पॉइंट्स के साथ ग्रुप क्को टॉप किया है। श्रीलंका 6 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहा। 179 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। ओपनर ब्रायन बेनेट ने महीश तीक्षणा की बॉल पर चौका मारकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 48 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। बेनेट ने 8 चौके लगाए। उनके अलावा, कप्तान सिकंदर रजा ने 45 और तदिवानाशे मारुमनी ने 34 रन का योगदान दिया। दशुन हेमंथा ने 2 विकेट झटके।

अफगानिस्तान ने अपने आखिरी मैच में कनाडा को हराया

82 रन से जीता मैच, जादरान ने 95 रन बनाए, नबी को 4 विकेट

कोलंबो (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का सामापन जीत के साथ किया है। टीम ने गुरुवार के आखिरी मैच में कनाडा को 82 रन से हराया।

कनाडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 118 रन ही बना सकी। इब्राहिम जादरान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का स्कोरबोर्ड

इब्राहिम जादरान 5 रन से शतक चूके- अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान महज 5 रन से टी-20 वर्ल्ड कप में अपना पहला शतक चूक गए। उन्होंने 95 रनों की नाबाद पारी खेली। जादरान ने 56 गेंद की पारी में 4 चौके और 5 छक्कों के सहारे 169.64 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जादरान के अलावा, सेदिकुल्लाह अटल ने 44 रन बनाए। वे 6 रन से फिफ्टी चूक गए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 30 रन बनाए। कनाडा के लिए जसकरन सिंह को 3 विकेट मिले।

सुपर-8 के मैचों का पूरा शेड्यूल

21 फरवरी से शुरुआत, 3 डबल हेडर होंगे, भारत 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से खेलेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की सुपर-8 टीमें तय हो चुकी है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने अगले दौर में प्रवेश किया है। लेकिन, इन टीमों के मुकाबले कब और कहां होंगे? किस टीम को कौन से ग्रुप में रखा गया है और उसका मैच कब होगा।

इस टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। 5-5 टीमों को 4 अलग ग्रुप में बांटा गया। 36 मैच खत्म होने के बाद ही अगले राउंड की 8 टीमें तय हो गईं। गुरुवार को 3 मैच खेले गए, लेकिन इनसे सुपर-8 पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आज ऑस्ट्रेलिया-ओमान आखिरी ग्रुप मैच खेलेंगे, लेकिन सुपर-8 पर इसका भी कोई असर नहीं होगा।

सुपर-8 में 12 मैच होंगे

सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बनेंगे। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें अगले राउंड में एंट्री करेंगी। सुपर-8 स्टेज में 22 और 26 फरवरी के साथ 1 मार्च को 2-2 मैच खेले जाएंगे। 20 से 28 फरवरी तक बाकी दिन 1-1 मैच ही होगा। 4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। इन्हें जीतने वाली टीम 8 मार्च को फाइनल में भिड़ेगी। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो उसके सभी मैच कोलंबो में होंगे।

पाक-न्यूजीलैंड के बीच पहला ग्रुप स्टेज मैच

7 फरवरी से शुरू हुए टूर्नामेंट के सुपर-8 स्टेज की शुरुआत 21 फरवरी से होगी। पहला मैच न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला खेला जाएगा। ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड के अलावा, इंग्लैंड और श्रीलंका ने भी क्वालिफाई कर लिया है।

भारत का पहला मैच साउथ अफ्रीका से

टीम इंडिया 22 फरवरी को अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका से पहला मैच खेलेगी। टीम फिर 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। भारत का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से होगा।

ग्रुप स्टेज में 12 टीमें बाहर

टूर्नामेंट में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप-ए से टीम इंडिया और पाकिस्तान ने क्वालिफाई कर लिया। ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे ने क्वालिफाई किया। ग्रुप-सी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज अगले राउंड में पहुंचीं। वहीं, ग्रुप-डी से न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में एंट्री की है। ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, स्कॉटलैंड, इटली, नेपाल, अफगानिस्तान, यूएई, नामीबिया, यूएसए, नीदरलैंड और कनाडा लीग स्टेज से बाहर हो गई हैं।

मोहम्मद आमिर ने फिर उगला जहर

- टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा भारत

करांची (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया का प्रदर्शन कमाल का रहा। भारतीय टीम ने हर सेक्टर में कमाल का खेल अब तक दिखाया है। अब सुपर 8 स्टेज की बारी है। ग्रुप स्टेज में अजेय रहने के बावजूद, पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने टीम इंडिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बात करते हुए आमिर ने भविष्यवाणी की है कि भारत सुपर-8 से आगे नहीं बढ़ पाएगा।

सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारत के साथ दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे मौजूद हैं। जब आमिर से इस ग्रुप से दो सेमीफाइनल फाइनलिस्ट चुनने को कहा गया, तो उन्होंने भारत को छोड़ दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का नाम लिया। आमिर ने तर्क दिया, पाकिस्तान वाले मैच को छोड़कर हर मैच में भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ाई है। जिस तरह दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज खेल रहे हैं, वे किसी भी टीम को हरा सकते हैं। मोहम्मद आमिर का

यह बयान काफी अजीब सा लग रहा है।

अभिषेक शर्मा को बताया था स्लॉगर- इससे पहले आमिर ने भारतीय युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की तकनीक पर निशाना साधते हुए उन्हें स्लॉगर करार दिया था। आमिर का मानना है कि अभिषेक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबी रेस के घोड़े नहीं हैं क्योंकि वे हर गेंद को हिट करने की कोशिश करते हैं। अभिषेक के लगातार तीन डक पर आउट होने के बाद आमिर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट उनकी कमजोरियों को उजागर कर देगा। इसके बाद मोहम्मद आमिर को भारत से भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। शायद इसी गुस्से में उन्होंने भारत जैसे मजबूत टीम को ही सेमीफाइनल की रेस बाहर कर दिया है।

सुपर-8 में भारत का कड़ा इम्तिहान- भले ही टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में अजेय रही हो, लेकिन आमिर के बयान ने एक बहस छेड़ दी है। भारत को सेमीफाइनल की टिकट पक्की करने के लिए साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी फॉर्म में चल रही टीमों से पार पाना होगा।

पीसीबी बोला- शादाब दिग्गज पाक खिलाड़ियों पर कमेंट न करें

क्रिकेटर ने कहा था- सीनियर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, हमने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद की यह तस्वीर शादाब खान की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों को लेकर एक बयान दिया था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) नाराज बताया जा

रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर शादाब खान को अपने बयान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। शादाब ने कहा था कि पाकिस्तान के सीनियर प्लेयर कभी वर्ल्डकप में भारत को हरा नहीं पाए, लेकिन हमनें हराया है।

शादाब का इशारा 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारत पर जीत को लेकर था। अब पीसीबी ने पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना पर दिए शादाब के बयान को अनुचित माना है। बोर्ड ने शादाब को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है।

यह पूरा मामला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद हुई पाकिस्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस से शुरू हुआ, जहां शादाब ने पूर्व क्रिकेटरों पर बयान दिया था। इस मैच में पाकिस्तान ने नामीबिया से जीत हासिल की थी। वहीं, इससे पिछले मैच में पाकिस्तान को भारत से 61 रन से हार था।

शादाब ने कहा था- जो हमने किया, वो दिग्गज भी नहीं कर सके- नामीबिया के खिलाफ 36 रन बनाने और 3 विकेट लेने के बाद शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, आलोचना क्रिकेट के इतिहास का हिस्सा है। पूर्व क्रिकेटर्स की अपनी राय है। वे दिग्गज थे, लेकिन हमने जो किया, वे नहीं कर सके।

मैनेजमेंट की अन्य खिलाड़ियों को भी चेतावनी- पीसीबी ने सिर्फ शादाब ही नहीं, बल्कि पूरी टीम को नसीहत दी है। टीम मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी खिलाड़ियों को समझाएं कि वे अपनी टिप्पणियों को सिर्फ मैच तक ही सीमित रखें। अगर कोई खिलाड़ी दोबारा मर्यादा लांघता है तो बोर्ड उस पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भी शादाब के बयान को गैरजरूरी बताया और कहा कि दिग्गजों के खिलाफ बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। भारत से हार के बाद पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के आखिरी लीग मैच में नामीबिया को 102 रन सो हराकर सुपर-8 में अपना स्थान पक्का किया।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

श्री कृष्ण बंसी बजाते थे या मुरली?

श्री कृष्ण के स्वरूप का ध्यान किया जाए तो सबसे पहले जो नजर आएगा वह है शीश पर मोरपंख और हाथों में बंसी। श्री कृष्ण को बंसी बजाना प्रिय था क्योंकि राधा रानी को बंसी की धुन अच्छी लगती थी। बंसी बजाने के कारण ही श्री कृष्ण का एक नाम बंसी बजैया भी पड़ा। इसके अलावा, ऐसा भी माना जाता है कि अपनी मुरली की धुन से श्री कृष्ण सबका मन मोह लेते थे, इसलिए उन्होंने मुरली मनोहर भी कहा जाता है।

अक्सर श्री कृष्ण से जुड़े श्लोकों या भजनों में भी उनकी लीला को दर्शाते हुए उन्हें बंसी, बांसुरी या मुरली बजाने वाले के रूप में अंकित किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि बंसी, बांसुरी और मुरली अलग-अलग हैं। ऐसे में अब 2 सवाल उठते हैं- पहला यह कि श्री कृष्ण क्या बजाते थे बंसी, बांसुरी या मुरली और दूसरा सवाल ये कि तीनों में अंतर क्या है।

श्री कृष्ण द्वारा बजाई जाने वाली बंसी, बांसुरी और मुरली में क्या है अंतर?

बांसुरी के ऊपरी हिस्से में अरहर, सेमल जैसी लकड़ियों की डाट लगी होती है। इसी डाट के माध्यम से इसे ऊपरी सिरे से बजाया जाता है। इसमें 6 सुराख होते हैं, यानी 6 प्रकार के सुर होते हैं।

बांसुरी के परिवार के एक रूप बंसी में भी 6 सुराख होते हैं। हालांकि, इसका वादन शौकिया तौर पर किया जाता है। इसके अलावा, पेशेवर एवं घराना परंपरा के लोग भी बांसुरी वादन करते हैं।

वहीं, मुरली के बारे में बताएं तो मुरली में 7 सुर होते हैं। श्री कृष्ण मुरली को ही बजाया करते थे। आकार और एक जैसा रूप होने के कारण मुरली, बंसी और बांसुरी को एक जैसा समझा जाता है।

शास्त्रों में बताया गया है कि श्री कृष्ण संपूर्ण 64 कलाओं के स्वामी थे। ऐसे में उनकी मुरली भी संपूर्ण स्वरों से संपन्न थी। यही कारण है कि घर में भी वास्तु शास्त्र में 7 छेद वाली मुरली रखने को कहा गया है।

क्या होती है घर में ईशान कोण दिशा महत्व व अन्य बातें

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा का अत्यधिक महत्व होता है। इसे घर की सबसे शुभ और शक्तिशाली दिशा माना जाता है। मान्यता है कि यह आपके घर में समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति से जुड़ी हुई होती है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा को ही ईशान कोण दिशा भी कहा जाता है, जो हिंदू धर्म में सृष्टि और संहार के देवता भगवान शिव से संबंधित होती है। यह दिशा उस घर के निवासियों के स्वास्थ्य, धन और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिशा में तत्वों का सही स्थान और संरेखण सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन लाने में सहायक होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ईशान कोण दिशा जल तत्व से जुड़ी हुई होती है, जो जीवन में स्थिरता और शुद्धता का प्रतीक मानी जाती है।

इस क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, वित्तीय समृद्धि और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है। घर का मंदिर, मेडिटेशन का कमरा या पढ़ाई के लिए यह दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। हालांकि, इस दिशा का महत्व तभी बढ़ता है जब इसे साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा जाए। भारी सामान, गंदगी या गलत स्थान का निर्माण जैसे बाथरूम और किचन इस दिशा की ऊर्जा को कमजोर कर सकते हैं। आइए, वास्तु विशेषज्ञ, न्यूमेरोलॉजिस्ट और टैरो कार्ड रीडर, मधु कोटिया से जानें ईशान कोण के महत्व और इसके नियमों के बारे में सब कुछ।

क्या होता है घर का ईशान कोण

ईशान कोण घर की उत्तर-पूर्व दिशा होती है, वास्तु शास्त्र में इसे घर की सबसे पवित्र और शुभ दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा चार प्रमुख दिशाओं उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम के बीच पूर्व और उत्तर के मिलन बिंदु पर स्थित होती है। इस दिशा को हिंदू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है, क्योंकि इसे ईश्वर की दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा घर के सभी निवासियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, समृद्धि और रिश्तों को प्रभावित करती है। ईशान कोण को आध्यात्मिक द्वार भी कहा जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करता है और घर में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसकी विशेषताओं की वजह से इस दिशा का उपयोग ध्यान, पूजा, और पढ़ाई जैसे कार्यों के लिए किया जाता है।

ईशान कोण दिशा का महत्व

ईशान कोण वह दिशा है जो शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूपों को जोड़ने का कार्य करती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह दिशा पवित्रता, ज्ञान और आध्यात्मिक प्रगति का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, मानसिक शांति और वित्तीय समृद्धि को प्रभावित करता है। उत्तर-पूर्व को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्था से मुक्त रखना जरूरी होता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध रूप से चलता रहे। यह दिशा व्यक्ति के दिव्य शक्ति से जुड़ाव को बढ़ाती है और आंतरिक शांति प्रदान करती है। एक पूजा कक्ष, छोटा मंदिर या ध्यान का स्थान उत्तर-पूर्व में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आकर्षित करने में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही चूंकि यह दिशा ज्ञान और बुद्धि से जुड़ी हुई होती है, इसलिए यह अध्ययन या पढ़ाई के लिए भी आदर्श मानी जाती है। यदि इस दिशा में स्टडी टेबल मेज या किताबों का स्थान रखा जाए तो यह पढ़ने वाले छात्रों को एकाग्रता, ध्यान और मानसिक स्पष्टता प्रदान करने में मदद करती है।

ईशान कोण में क्या रखना चाहिए

वैसे तो ईशान कोण को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, लेकिन उस जगह पर कुछ विशेष चीजों को रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानें ईशान कोण में क्या रखना चाहिए-

ईशान कोण में रखें पूजा का मंदिर

अगर हम घर के मंदिर की बात करें तो घर के लिए ईशान कोण को सबसे अच्छी दिशा माना जाता है। इस क्षेत्र में एक छोटा मंदिर या धार्मिक मूर्तियां रखने से आपको सकारात्मक ऊर्जा मिल सकती हैं और देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। इस दिशा में पूजा का स्थान होने से वहां के निवासियों में सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है और घर में भी खुशहाली आती है।

ईशान कोण में रखें लिविंग रूम

यदि आपका घर बड़ा है, तो लिविंग रूम भी घर के ईशान कोण में रखा जा सकता है। आमतौर पर इस क्षेत्र को खुला और हवादार रखना चाहिए और प्राकृतिक रोशनी से भरपूर बनाना चाहिए। इस दिशा में लिविंग रूम रखने से परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बना रहता है और खुशहाली आती है। इस स्थान पर बना लिविंग रूप आपके रिश्तों में भी सामंजस्य बनाने में मदद करता है।

ईशान कोण में रखें स्टडी रूम

छात्रों के लिए उत्तर-पूर्व दिशा में अध्ययन कक्ष रखना सर्वोत्तम माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह स्थान अध्ययन, बुद्धि और शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देता है। स्टडी रूम में आपकी स्टडी टेबल की मेज को पूर्व या उत्तर की ओर मोड़कर रखा जाना चाहिए।

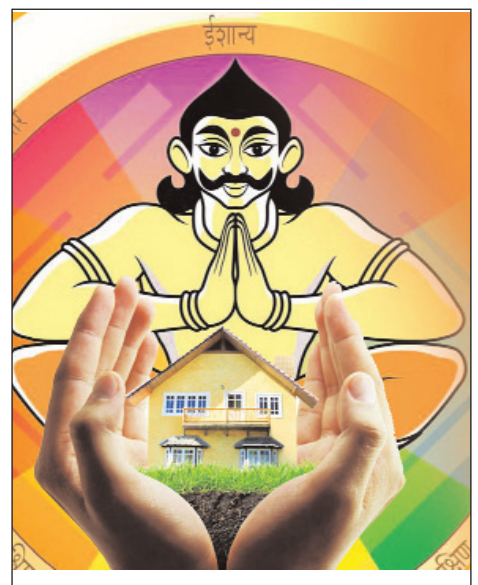

घर के लिए ईशान कोण दिशा के नियम

- ईशान कोण का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ वास्तु दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होता है। यदि आप इन नियमों का पालन करते हैं तो हमेशा घर में समृद्धि बनी रहती है।
- घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्थित रखें। इस क्षेत्र में भारी सामान या अनावश्यक चीजें रखने से ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है, इसलिए यहां कोई भी सामान रखते समय उसका ध्यान रखना जरूरी है।
- चूंकि यह स्थान जल तत्व से जुड़ा होता है, इसलिए इस दिशा में एक जल स्रोत जैसे छोटा फव्वारा, एक्वेरियम या जल पात्र रखना शुभ हो सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित करें कि पानी स्वच्छ होना चाहिए। इस स्थान पर स्थिर पानी आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
- उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा अच्छी रोशनी और वेंटिलेशन मिलना चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध बना रहे। प्राकृतिक रोशनी इस क्षेत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, इसलिए खिड़कियों या दरवाजों को भारी पर्दों या फर्नीचर से ब्लॉक न करें।
- इस दिशा में बड़े या भारी फर्नीचर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है और घर में असंतुलन पैदा कर सकता है। इसके बजाय हल्के और न्यूनतम फर्नीचर का चुनाव करें।
- इस दिशा के लिए हल्के और शांत रंग जैसे सफेद, क्रीम, हल्का नीला और पीला सबसे ज्यादा आदर्श माने जाते हैं। ये रंग शांति, मानसिक स्पष्टता और मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में गहरे और तीव्र रंगों का उपयोग न करें।

ईशान कोण दिशा में जरूर रखें यह एक चीज, होगा धन लाभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार ईशान कोण दिशा को उत्तर-पूर्व दिशा भी कहा जाता है। यह घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। इस दिशा में देवी-देवताओं का वास स्थान माना जाता है। इसलिए इस स्थान को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। बता दें, ईशान कोण दिशा में अगर आप देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-पाठ करते हैं, तो व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। अब ऐसे में इस दिशा में शंख रखने का विशेष महत्व बताया गया है। ईशान कोण दिशा का महत्व क्या है?

ईशान कोण को देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा स्थल स्थापित करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-शांति आती है। ह दिशा ग्रह गुरु बृहस्पति से संबंधित है, जो ज्ञान और बुद्धि का कारक माना जाता है। ईशान कोण सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए इस दिशा को स्वच्छ रखना बेहद जरूरी है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इस दिशा में तिजोरी रखने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। ईशान कोण दिशा में पूजा करने और ध्यान लगाने के लिए सबसे शुभ स्थान माना जाता है। शंख को ईशान कोण में रखना शुभ माना जाता है। शंख को जल से भरकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालकर रखें। शंख को देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। ईशान कोण में शंख रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर और कार्यस्थल में शांति और समृद्धि का वातावरण बनता है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इसलिए इस दिशा में शंख रखने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ईशान कोण दिशा में शंख बजाने से मानसिक तनाव दूर हो सकती है और मन शांत रहता है।

ईशान कोण दिशा में शंख की पूजा कैसे करें?

सबसे पहले, शंख को जल से अच्छी तरह धो लें। फिर, शंख में थोड़ा सा गंगाजल डालकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालें। शंख को ढककर कुछ देर के लिए रख दें। फिर ईशान कोण दिशा में एक चौकी रखें और उसपर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। चौकी पर शंख रखें। शंख के मुख को पूर्व दिशा की ओर रखें। शंख के पास घी का दीपक जलाएं। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

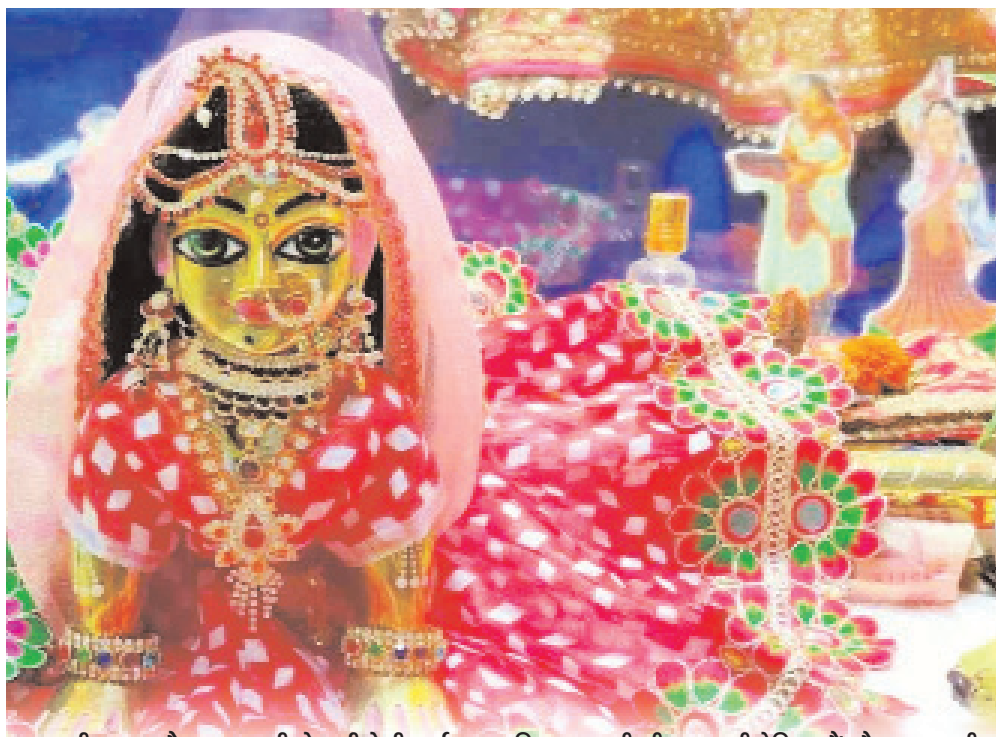

ब्रज में क्यों लिया जाता है सिर्फ राधा रानी का नाम?

ब्रज, श्री कृष्ण और राधा रानी से जुड़ी ऐसी कई पौराणिक कथाएं और लीलाएं हैं जिनके बारे में आज भी बहुत कम लोग ही जानते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप में से अधिकतर लोगों को यह पता होगा कि राधा रानी श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और राधा रानी एवं कान्हा ने ब्रज में कई लीलाएं दिखाई हैं, रास रचाया है। श्री कृष्ण से पहले राधा रानी का नाम लेने का वरदान श्री कृष्ण ने ही दिया था।

बिना राधा नाम के कृष्ण नहीं मिलते हैं आदि। इन सभी बातों, धारणाओं और राध-कृष्ण से जुड़ी लीलाओं के बीच क्या आप ये जानते हैं कि जिस ब्रज में कन्हैया और राधा रानी ने जन्म लिया, कि जिस ब्रज को राधा रानी और श्री कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना जाता है, कि जिस ब्रज में कान्हा ने कई राक्षसों का उद्धार किया, कि जिस ब्रज के कण-कण में कान्हा और राधा रानी हैं उसी ब्रज में क्यों सिर्फ राधा नाम लिया जाता है, कान्हा का नहीं। ब्रज में कृष्ण नाम क्यों नहीं लिया जाता है?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब श्री कृष्ण ब्रज धाम छोड़कर द्वारका चले गये थे, तब राधा रानी समेत ब्रज चौरासी कोस में जितनी भी गोपियां थीं वह कान्हा की विरह पीड़ा में बहुत रोई थीं। यहां तक कि एक भी ऐसा दिन नहीं जाता था जब उनकी आंखों से आंसू नहीं टपकते थे।

राधा रानी और गोपियों को कान्हा से इतना प्रेम था जिसका आंकलन कर पाना भी संभव न था। कान्हा के जाने के बाद राधा रानी और गोपियों का हाल ऐसा हो गया था कि अगर कोई ब्रज मंडल में कृष्ण का नाम भी ले दे तो वह कृष्ण नाम सुन विरह पीड़ा में बेहोश हो जाती थीं।

यहां तक कि गोपियां कई-कई घंटों तक बेहोश रहती थीं और जब भी होश में आती थीं तब कृष्ण-कृष्ण पुकारते हुए पुनः मूर्छित हो जाया करती थीं। ब्रज के पुरुषों द्वारा गोपियों का यह हाल देखा नहीं गया। सभी पुरुषों ने यह तय किया कि वह राधा रानी के पास जाकर बात करेंगे। हालांकि जब सभी गोपियों के परिजन और स्वयं राधा रानी के पिता वृषभान जी श्री राधा रानी के पास पहुंचे तब उन्होंने देखा कि राधा रानी खुद किसी मूरत की तरह एक स्थान पर एक रूप में एक अवस्था में बिना हिलेडुले बैठी हुई थीं और उनके नेत्रों से लगातार आंसू बहे जा रहे थे।

राधा रानी की प्रिय सखी ललिता ने बताया कि आखिरी बार श्री कृष्ण इसी स्थान पर राधा रानी से विदा लेकर गए थे जहां अभी वो बैठीं है और उस दिन से आजतक भी राधा रानी इसी स्थान पर विराजित हैं। राधा रानी के मुंह से एक शब्द, एक ध्वनि तक भी नहीं निकली है। यह देख वृषभान जी ने यह निर्णय लिया कि वह ब्रज मंडल के मुख्य द्वार पर एक पहरे दार बैठाएंगे और साथ ही, कुछ पहरेदारों को ब्रज के भीतर नियुक्त करेंगे जो इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी व्यक्ति के मुंह से कृष्ण नाम न निकले और आगे हुआ भी ऐसा ही।

ब्रज क्षेत्र में आते ही किसी को भी कृष्ण नाम लेने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में जिन लोगों को जब भी कभी कृष्ण पुकारने का मन करता तो वह राधा नाम ले लेते क्योंकि राधा कृष्ण एक ही हैं अलग-अलग नहीं। तो इस तरह ब्रज में तब से लेकर आज तक भी राधे-राधे बोला जाता है।

हालांकि अन्य कृष्ण मंदिर जो ब्रज के बाहर हैं, जैसे कि द्वारकाधीश मंदिर गुजरात या फिर श्री कृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों के मंदिर जैसे कि गोविंद देव जी मंदिर आदि सभी मंदिरों में जय श्री कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण कहा जाता है लेकिन सिर्फ ब्रज में राधे-राधे बोला जाता है।